आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ ...

● वर्ष- 15 अंक-93 ● जबलपुर ● बुधवार, 5 मई, 2021 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● वैशाख कृष्ण पक्ष -9 ● विक्रम संवत् 2078 शके 1935

होम्योपैथिक दवा ARS ALB 30 के लिए नई गाइडलाइन

आयुष मंत्रालय भारत सरकार के कोरोना ट्रीटमेंट प्रोटोकॉल अंतर्गत होम्योपैथी औषधि के सेवन करने के लिए नवीन दिशा निर्देश जारी किए है। आयुष विभाग धार के द्वारा आयुष संस्था से स्वस्थ व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बनाये रखने के लिए आमजन, पुलिस विभाग के जवान, स्वास्थ्य के कर्मचारी, शासकीय कार्यालयों में कार्यरत अधिकारी, कर्मचारी, नगर परिषद के कर्मचारी, को रोग प्रतिरोधक क्षमता बढाने हेतू वितरण किया जा रहा है।

एप कू ने दिया कंगना का साथ

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत का ट्विटर अकाउंट सस्पेंड होने के बाद कू एप ने उनका साथ दिया है। Koo के सह-संस्थापक और CEO अप्रमेय राधाकृण ने खुद कंगना का Koo पर स्वागत किया है। उन्होंने कंगना के पहले कू पोस्ट का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए उन्हें कू पर आने का आमंत्रण दिया है। अप्रमेय ने लिखा, कंगना का पहला कू। वो यहां बिल्कुल सही कह रही हैं। कू अपने घर जैसा है, जबकि बाकी सभी किराए के हैं।

हाईकोर्ट की फटकार

मरीज की मौत पर कहा- यह नरसंहार से कम नहीं...

प्रयागराज। एक सख्त टिप्पणी में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अस्पतालों को ऑक्सीजन की आपूर्ति न होने से कोविड-19 मरीजों की मौत को आपराधिक कृत्य करार देते हुए कहा कि यह उन अधिकारियों द्वारा नरसंहार से कम नहीं जिन्हें इसकी सतत आपूर्ति की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।अदालत ने यह टिप्पणी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही उन खबरों पर दी जिनके मुताबिक ऑक्सीजन की कमी के कारण लखनऊ और मेरठ जिले में कोविड-19 मरीजों की जान गई। अदालत ने लखनऊ और मेरठ के जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे इनकी 48 घंटों के भीतर तथ्यात्मक जांच करें। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति अजित कुमार की पीठ ने राज्य में संक्रमण के प्रसार और पृथक-वास केन्द्र की स्थिति संबंधी जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया।अदालत ने दोनों जिलाधिकारियों से कहा है कि वे मामले की अगली सुनवाई पर अपनी जांच रिपोर्ट पेश करें और अदालत में ऑनलाइन उपस्थित रहें। अदालत ने कहा कि हमें यह देखकर दुख हो रहा है कि अस्पतालों को ऑक्सीजन की आपूर्ति नहीं होने से कोविड मरीजों की जान जा रही है। यह एक आपराधिक कृत्य है और यह उन लोगों द्वारा नरसंहार से कम नहीं है जिन्हें तरल चिकित्सीय ऑक्सीजन की सतत खरीद एवं आपूर्ति सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है।

आरबीआई की राहत

वीडियो केवाईसी को मंजूरी, स्वास्थ्य के लिए 50 हजार करोड़

मुंबई। आज भारतीय रिजर्व बैंकके गवर्नर शक्तिकांत दास ने मीडिया को संबोधित किया। उनका यह संबोधन पहले से निर्धारित नहीं था। देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने भयावह स्थिति पैदा कर दी है। एक तरफ जहां स्वास्थ्य प्रणाली चरमरा गई है, तो दूसरी तरफ कालाबाजारी करने से लोग बाज नहीं आ रहे हैं। हालांकि कोरोना के दैनिक मामलों में कुछ दिनों से हल्की गिरावट आ रही है, जो राहत की संकेत है। लेकिन राज्यों में लगाए गए लॉकडाउन से जनता परेशान है क्योंकि इसका सीधा असर उनकी कमाई पर पड़ा है। देश की अर्थव्यवस्था को भी संकट के इस समय से उबारने के लिए कड़े कदम उठाने की जरूरत है। ऐसे में केंद्रीय बैंक का यह संबोधन बेहद अहम है। आरबीआई ने मार्च 2022 तक कोविड-19 से संबंधित स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए 50,000 करोड़ रुपये की विशेष लिक्विडिटी सुविधा की घोषणा की। इसके जरिए बैंक रेपो रेट पर वैक्सीन मैन्युफैक्चर्स, वैक्सीन ट्रांसपोर्ट, निर्यातकों को आसान किस्तों पर लोन उपलब्ध कराएंगे। इसके अतिरिक्त अस्पतालों, हेल्थ सर्विस प्रोवाइडर्स को भी इसका लाभ मिलेगा। राज्यों के लिए ओवरड्राफ्ट सुविधा दी जाएगी। ओवरड्राफ्ट में राज्यों को रियायत मिलेगी। ओवरड्राफ्ट सुविधा की अवधि बढ़ाकर 50 दिन कर दी गई है। पहले इसकी अवधि 36 दिन थी। गवर्नर ने साथ ही यह भी कहा कि मौजूदा स्थिति को देखते हुए केवाईसी नियम में कुछ बदलाव किए गए हैं। विडियो के जरिए केवाईसी को मंजूरी दी गई है। आरबीआई ने एक दिसंबर 2021 तक लिमिटेड केवाईसी के उपयोग की अनुमति दी है।

मराठा आरक्षण रद्द

पिछड़ा करार नहीं दिया जा सकता- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मराठा आरक्षण पर महाराष्ट्र सरकार को बड़ा झटका दिया है। शीर्ष अदालत ने महाराष्ट्र में मराठों के लिए 16 फ़ीसदी आरक्षण देने के राज्य सरकार के निर्णय को निरस्त कर दिया है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि इंदिरा साहनी मामले पर फिर से विचार करने की जरूरत नहीं है। जस्टिस अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने कहा कि मराठा समुदाय को 16 फीसदी आरक्षण देने से आरक्षण की अधिकतम सीमा (50 फ़ीसदी) को पार करती है, लिहाजा यह असंवैधानिक है। पांच सदस्यीय संवैधानिक पीठ में न्यायमूर्ति अशोक भूषण के अलावा न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव, न्यायमूर्ति एस अब्दुल नजीर, न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता और न्यायमूर्ति एस रवीन्द्र भट भी शामिल हैं। बेंच ने 50 फीसदी आरक्षण की सीमा लांघने को समानता के मौलिक अधिकार के खिलाफ बताया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि मराठाओं के लिए 50 फीसदी आरक्षण की सीमा को पार करने के लिए न तो गायकवाड़ आयोग और न ही हाईकोर्ट के पास कोई पुख्ता आधार था। लिहाजा हमें नही लगता कि ऐसी कोई अप्रत्याशित स्थिति उत्पन्न हुई थी कि आरक्षण की 50 फीसदी की सीमा को लांघा जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि मराठा समुदाय के लोगों को शैक्षणिक व सामाजिक रूप से पिछड़ा नहीं करार दिया जा सकता ऐसे में उन्हें आरक्षण के दायर में लाना सही नहीं है।

ममता की शपथ, राज्यपाल से बहस, भाजपा का धरना

बवाल-ए-बंगाल

कानपुर। तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी ने लगातार तीसरी बार पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। राजभवन में राज्यपाल जगदीप धनखड़ के समक्ष मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने पद की शपथ ली। हालांकि शपथ ग्रहण समारोह में ममता बनर्जी और जगदीप धनखड़ के बीच हिंसा के मुद्दे को लेकर हल्की से बहस देखने को मिली। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने ममता बनर्जी को तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी और कहा कि हमारी प्राथमिकता यही होनी चाहिए कि इस बेवजह हो रही हिंसा की घटनाओं का अंत हो और मुझे उम्मीद है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कानून व्यवस्था को बहाल करने के लिए तत्काल कदम उठाएंगी। हालांकि ममता बनर्जी ने राज्यपाल के इस अनुरोध का जवाब देते हुए कहा कि मेरे शपथ लेने से पहले तक राज्य में कानून व्यवस्था का दारोमदार चुनाव आयोग के पास था।

धरने पर नड्डा

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत के बाद आज ममता बनर्जी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की तीसरी बार शपथ ली है। इस दौरान बंगाल में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी भारतीय जनता पार्टी बंगाल हिंसा को लेकर ममता बनर्जी के विरोध में धरना प्रदर्शन कर रही है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा इस विरोध प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे हैं।

पीएम ने दी बधाई-ममता दीदी तीसरी बार बंगाल की मुख्यमंत्री बन गईं। शपथ ग्रहण समारोह के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर ममता बनर्जी को बधाई दी।

कोराना का कहर जारी

3.82 लाख नए मरीज, 3780 की मौत

तीन दिन की राहत के बाद फिर बढ़ा खतरा

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के दैनिक मामले भले ही तीन दिन से कम आ रहे हों लेकिन बुधवार को आए इन मामलों ने एक बार चिंता बढ़ा दी है। बीते 24 घंटे में देश में कोरोना वायरस के दैनिक मामले एक बार फिर बढ़े हैं। बुधवार को कोरोना के 3.82 लाख से ज्यादा नए मामले सामने आए। इतना ही नहीं कोरोना वायरस से होने वाली दैनिक मौतों के आंकड़ों ने भी स्वास्थ्य विभाग की चिंता और बढ़ा दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 3,82,315 नए मामले सामने आए हैं, हालांकि बीते 24 घंटे में तीन लाख से ही ज्यादा मरीज ठीक होकर अपन घर वापस लौटे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में बीते 24 घंटे में 3780 मरीजों की मौत हुई है। कोरोना वायरस से होने वाली मौतों का आंकड़ा थमने का नाम नहीं ले रहा है। तीन दिन की राहत के बाद एक बार फिर कोरोना वायरस के दैनिक मामले अब डराने लगे हैं। , बीते 24 घंटे में देश में 3,38,439 मरीज ठीक हुए हैं। देश में अब कोरोना वायरस से ठीक हुए मरीजों का कुल आंकड़ा बढ़कर 1,69,51,731 हो गया है।

क्विक अपडेट

ऑक्सीजन की किल्लत का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने कोहराम मचा रखा है। लगातार बढ़ते कोरोना मरीजों के चलते राजधानी दिल्ली समेत देश भर में ऑक्सीजन के लिए हाहाकार मच गया है। देश की राजधानी दिल्ली में जारी ऑक्सीजन संकट का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। केंद्र सरकार ने बुधवार को ऑक्सीजन संकट को दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

पूर्व मुख्यमंत्री की बहू की कोरोना से मौत

इंदौर। मध्यप्रदेश में कोरोना की दूसरी लहर पीक पर है। बीजेपी के बड़े नेता और शिवराज सरकार में मंत्री रह चुके दीपक जोशी की पत्नी विजया जोशी का मंगलवार को कोरोना से निधन हो गया है। विजया का पिछले 15 दिनों से इंदौर के अरविंदो अस्पताल में इलाज चल रहा था।

ASP के जज पति की कोरोनावायरस से मौत

खंडवा। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिला न्यायालय में पदस्थ जज अंतरसिंह अलावा का निधन हो गया। वह खंडवा एडिशनल एसपी सीमा अलावा के पति थे। 1 महीने पहले संक्रमित हुए थे। जिला अस्पताल में इलाज के बाद उनकी रिपोर्ट नेगेटिव आई थी। वह पूरी तरह स्वस्थ है। 2 दिन पहले अचानक तबीयत बिगड़ी और आज उनका निधन हो गया।

महामारी बेरोजगारी

एक साल में लाखों लोग बेरोजगार

गरीबी रेखा की चपेट में आई बड़ी आबादी

नई दिल्ली। भारत में कोरोना महामारी की दूसरी लहर बेकाबू हो चुकी है। पहली लहर की तुलना में दूसरी लहर बद से बदतर होती जा रही है। पूरे देश में संक्रमण ने अपना विकराल रूप धारण कर लिया है। हर रोज साढ़े तीन लाख से ज्यादा मरीज संक्रमित मिल रहे हैं, हालात को देखते हुए राज्यों में पूर्ण बंदी या आंशिक लॉकडाउन लागू है, लेकिन लॉकडाउन और नाइट कर्फ्यू समेत सख्त पाबंदी से देश की आर्थिक गतिविधियां कमजोर होती जा रही है। भारतीय अर्थव्यवस्था पर नज़र रखने वाली संस्था सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी ने दावा किया है कि लॉकडाउन की वजह से 72.50 लाख से अधिक लोग बेरोजगार हो गए हैं। इसकी वजह से फिर रोज़गार का संकट खड़ा हो गया है। सर्वे में पाया गया है कि महामारी की वजह से बड़ी संख्या में लोग पहले तो बेरोजगार हुए और फिर गरीबी रेखा के नीचे चले गए। भारतीय अर्थव्यवस्था की निगरानी के लिए केंद्र के उपभोक्ता पिरामिड घरेलू सर्वेक्षण (सीएमआईई-सीपीएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि अप्रैल-मई 2020 में भारत में लगाए गए लॉकडाउन काफी सख्ती से लागू किए गए थे। दुनिया के किसी देशों में इतनी सख्ती से लॉकडाउन नहीं लागू किया गया था। इस दौरान 100 मिलियन श्रमिकों को रोजगार से हाथ धोना पड़ा था। पिछले साल और इस साल रोजगार दर में भारी गिरावट आई है। ठीक उसी तरह इस साल भी कोरोना की दूसरी लहर से बचने के लिए लॉकडाउन और नाइट कर्फ्यू से आर्थिक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हुई है। दिसंबर 2020 तक पुरुषों के लिए रोजगार की पूर्व दर 94 फीसद थी, जबकि महिलाओं के लिए केवल 76 फीसद थी।

देशभर में उठी पूर्ण लॉकडाउन की मांग

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। बीते कई दिनों से रोज 3 लाख से ज्यादा संक्रमित मामले सामने आ रहे हैं और रोज ही 3000 से ज्यादा मौतें हो रही है। ऐसे में देश के अलग-अलग इलाकों से राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की भी मांग तेज हो रही है। सोशल मीडिया पर भी इसको लेकर कई यूजर्स मांग कर रहे हैं। गौरतलब है कि हाल ही सुप्रीम कोर्ट ने भी सरकार से कहा था कि कि कोरोना संक्रमण को ज्यादा फैलने के रोकने के लिए राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन पर विचार किया जा सकता है। हालांकि देश के अलग-अलग राज्यों में राज्य सरकारों ने कही पूर्ण लॉकडाउन तो कहीं आशिंक लॉकडाउन घोषित किया हुआ है। बिहार, ओडिशा जैसे राज्यों में आज से 10 दिन का पूर्ण लॉकडाउन घोषित कर दिया है। बिहार में कोरोना संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है और राज्य सरकार को फटकार लगाते हुए हाईकोर्ट ने तो यहां तक टिप्पणी कर दी है कि यदि आपसे स्वास्थ्य सेवाएं नहीं संभल रही है तो सेना को स्वास्थ्य सेवाएं सौंपी जा सकती है। इसके बाद राज्य सरकार ने 10 दिन का पूर्ण लॉकडाउन लगाने का फैसला किया। राजधानी दिल्ली के साथ-साथ एनसीआर के शहरों गुरुग्राम, फरीदाबाद, सोनीपत, पलवल में भी संपूर्ण लॉकडाउन लगा दिया गया है। दिल्ली में लॉकडाउन के नियमों को तोड़ने पर 2000 रुपए का जुर्माना देना पड़ रहा है। वहीं हरियाणा के शहरों में नियम तोड़ने पर 500 रुपये देने होंगे।

कोरोना संक्रमित अपर पुलिस अधीक्षक की मौत

एटा। एटा में अपर पुलिस अधीक्षक (अपराध) राहुल कुमार की बुधवार सुबह मौत हो गई। इस खबर के बाद पुलिस महकमा स्तब्ध है। करीब एक पखवाड़े पहले कोरोना संक्रमित उनके बड़े भाई की मौत हो गई थी। अपर पुलिस अधीक्षक भी वहां गए। लौटने के बाद उन्हें संक्रमण के लक्षण महसूस हुए तो वह होम आइसोलेट हो गए। हालांकि मंगलवार तक उन्हें कोई विशेष समस्या नहीं थी और न ही उन्हें अस्पताल जाने की जरूरत ही महसूस हुई। बुधवार सुबह के समय आवास पर ही व्यायाम कर रहे थे। इसके बाद अचानक से उन्हें घबराहट हुई और गिर पड़े। इसके बाद उन्हें जिला अस्पताल लाया गया। लेकिन यहां उनकी मौत हो गई। चिकित्सकों ने सैंपल लेकर जांच कराई तो रिपोर्ट पॉजिटिव आई। एएसपी राहुल कुमार की दो पुत्रियां हैं।

सोमवार तक बढ़ा लॉकडाउन

उत्तर प्रदेश में कोरोना के कारण बने गंभीर हालात को देखते हुए योगी सरकार ने लॉकडाउन सोमवार तक के लिए बढ़ा दिया है। अभी तक गुरुवार सुबह सात बजे तक ही बंद की घोषणा की गई थी पर स्थिति को मद्देनजर रखते हुए लॉकडाउन बढ़ा दिया गया है।

खुशी का डोज: कोविड आइसीयू में रात 3 बजे

पीपीई किट पहने मेल नर्स का डांस

भिंड। कोरोना महामारी काल में भिंड जिला अस्पताल में मरीजों को दवा के साथ खुशी का डोज भी दिया जा रहा है। जिला अस्पताल भिंड के कोविड आइसीयू का एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ है। इस वीडियों में रात तीन बजे मेल नर्स कुणाल गुप्ता पीपीइ किट पहने पूरे उत्साह से डांस कर कोरोना संक्रमित मरीजों को खुशी का डोज दे रहे हैं। उनका इरादा है कि मरीज कुछ पल के लिए अपनी बीमारी और उसकी गंभीरता को भूलकर आनंदित हो जाएं, ताकि उनमें अंदर संक्रमण को हराने वाली एंटी बॉडी तेजी से विकसित हो जाए। कोविड आइसीयू में डांस का यह वीडियो इंटरनेट मीडिया पर खूब वायरल हुआ है। हर कोई मेल नर्स और उनके सहयोगियों के इस प्रयास की तारीफ कर रहा है। इंटरनेट मीडिया पर पीपीई किट में कोविड आइसीयू में डांस का यह वीडियो सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात को शूट किया गया है। मेल नर्स कुणाल गुप्ता के साथ उनके सहयोगी रवि सोलंकी हैं। कोविड आइसीयू में कुणाल रात में मेल मरीजों के बीच अपनी ड्यूटी करते हुए उन्हें खुश रखने के लिए डांस कर रहे हैं। उनके सहयोगी रवि सोलंकी आइसीयू के बाहर कांच के गेट के बाहर से अपने मोबाइल से वीडियो शूट कर रहे हैं। रात तीन बजे पीपीई किट पहले मेल नर्स का डांस देखकर पलंग नंबर एक पर भर्ती 68 वर्षीय बुजुर्ग देवेंद्र अग्रवाल खुशी से लवरेज नजर आते हैं।

कोरोना में एंटी डोज का काम करती है खुशी

मेल नर्स कुणाल गुप्ता की कोविड आइसीयू में रात की ड्यूटी रहती है। इंटरनेट मीडिया पर वायरल उनके पीपीई किट पहने डांस के वीडियो पर बातचीत के दौरान भी वे उत्साह से भरे नजर आए। कुणाल कहते हैं कि इस बीमारी की भयावहता के कारण आइसीयू में भर्ती मरीजों में किसी तरह का अवसाद नहीं आए, इसके लिए वे उन्हें रोजाना एक्सरसाइज भी करवाते हैं। कई बार मरीज आइसीयू में भर्ती दूसरे मरीज की गंभीर हालत को देखकर दुखी हो जाते हैं। कुणाल कहते हैं कोरोना को हराने में खुशी सबसे बड़ा एंटी डोज है। इसी से डांस के जरिए उन्हें खुशी का एंटी डोज देने की कोशिश की है।

यूपी जिला पंचायत चुनाव में भाजपा को तगड़ा झटका

लखनऊ। प्रदेश में विधानसभा चुनाव से नौ महीने पहले सत्ताधारी दल भाजपा को जिल पंचायत चुनावों में तगड़ा झटका लगा है। कुल 3050 सीटों पर हुए चुनाव में भाजपा को महज 543 सीटों पर जीत या बढ़त मिली है। वहीं सपा 699 सीटों पर जीत या बढ़त बना हुए है। 75 जिलों के नतीजों में से सिर्फ 13 में ही भाजपा दहाई के आकड़े तक पहुंच पाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में 40 में से भाजपा महज 7 और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के क्षेत्र लखनऊ की 25 में से महज तीन सीटें जीत सकी है। वहीं, सीएम योगी आदित्यनाथ के जिले गोरखपुर में 68 में से 26 सीटें तो जोतीं पर स्पष्ट बहुमत नहीं मिल सका है। अवेध्या में वह 8 सीट पर सिमट गई। वहीं, सोनिया गांधी के चुनाव क्षेत्र रायबरेली में भी 52 सीटों में से सपा ने 12 जीतीं, तो कांग्रेस-भाजपा को 9-9 सीटें ही मिलीं। बसपा, रालोद, कांग्रेस, सुभासपा, अपना दल और आप ने भी कुछ जिलों में जीत दर्ज की है। निर्दलीय व अन्य 961 सीटों पर आगे हैं। पश्चिम में किसानों की नाराजगी का सीधा लाभ सपा-बसपा के अलावा राष्ट्रीय लोकदल को मिला है।

नौ-नौ ढइयां..महिला ने एक साथ 9 बच्चों को दिया जन्म

वेब डेस्क। अब तक आपने जुड़वा बच्चों, या फिर तीन और ज्यादा से ज्यादा चार बच्चों के एक साथ जन्म के बारे में सुना होगा, लेकिन हाल ही में एक महिला ने एक साथ नौ बच्चों को जन्म देकर सबको हैरत में डाल दिया है। दरअसल, माली की एक महिला ने मोरक्को में मंगलवार को एक साथ नौ बच्चों को जन्म दिया है। सभी बच्चे और मां पूरी तरह से स्वस्थ हैं। पश्चिम अफ्रीकी देश माली की सरकार ने दावा किया है कि उनकी एक महिला नागरिक ने एक साथ नौ बच्चों को जन्म दिया है। माली सरकार ने 25 साल की हलीमा सीजे को अच्छी देखभाल के लिए 30 मार्च को मोरक्को भेज दिया था। पहले माना जा रहा था कि हलीमा के गर्भ में सात बच्चे हैं। एक साथ सात बच्चों के एक साथ जन्म वाली बात भी दुर्लभ है, लेकिन नौ बच्चों का एक साथ जन्म लेना अति दुर्लभ है। हालांकि, मोरक्को के अधिकारियों ने इस बात की अभी तक पुष्टि नहीं की है। माली सरकार ने किया दावा, मोरक्को ने नहीं की पुष्टिमोरक्को के स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता रचिद कौधरी ने कहा कि उन्हें देश में ऐसे नौ बच्चों के जन्म की कोई जानकारी नहीं है, लेकिन माली के स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि हलीमा ने सीजेरियन सेक्शन द्वारा पांच लड़कियों और चार लड़कों को जन्म दिया है। माली के स्वास्थ्य मंत्री फांटा सिबी ने बताया कि मां और बच्चे अब तक स्वस्थ हैं। माली के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, महिला ने माली और मोरक्को दोनों जगहों पर अल्ट्रासाउंड कराया था, जिसमें पता चला था कि उसके गर्भ में एक-दो नहीं पूरे सात बच्चे पल रहे हैं।

मां और बच्चों की सेहत को लेकर डॉक्टर चिंतित

स्वास्थ्य मंत्री फांटा सिबी ने बताया कि महिला कुछ हफ्तों में अपने बच्चों के साथ घर वापस आएंगी। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि डॉक्टर हलीमा और उनके बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर खासा चिंतित हैं।

सब्जियों के दाम सामान्य फलों के आसमान पर

जबलपुर, यश भारत। लॉकडाउन-2 (कोरोना कर्फ्यू) में किराना समेत अन्य वस्तुओं की जमाखोरी के चलते भले ही कीमतें बढ़ी हैं। सब्जियों के दाम सामान्य बने हुए हैं। गत वर्ष हुए लॉकडाउन की तुलना में इस बार सब्जी के दाम 20 से 30 फीसद तक कम हैं। शुरुआत में दाम थोड़ा बढ़े थे, लेकिन बाद में कम हो गए।

इसकी वजह यह है कि उत्पादन खूब हुआ है। परिवहन बंद न होने से मंडी में आवक तो है, लेकिन कोरोना कर्फ्यू के कारण मांग लगातार कम बनी हुई है। आलू और प्याज 20 रुपए प्रतिकिलो मिल रहे हैं और हरी सब्जी के दाम भी 30 से 40 रुपए प्रतिकिलो के करीब हैं। सब्जी के थोक व्यापारी ने बताया कि तरबूज की अच्छी आवक हो रही है। इसी प्रकार खरबूजा की आवक शुरू होने से दाम कम हुए हैं। ये 15 से 20 रुपये प्रतिकिलो बिक रहे हैं।

सेब-संतरा पहुंच से बाहर

फलों की बात करें तो सेव, संतरा, अंगूर, अनार के दामों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कम उत्पादन और मंडी की समस्या होने से ऐसा हो रहा है। कोरोना कर्फ्यू के बाद सिर्फ कृषि उपज मंडी में रात दो बजे से सुबह 6 बजे तक थोक मंडी लगाने के आदेश जिला प्रशासन से मिले हैं। लेकिन यहां भी कई प्रकार की दिक्कतें हैं। पुलिस वाले कभी भी खदेड़ देते हैं, इसलिए व्यापारी ज्यादा माल नहीं मंगा रहे हैं। आम के रेट अभी स्थिर हैं।

सब्जी दाम

टमाटर	10 रु.	प्रतिकिलो
भिंडी	30 रु.	प्रतिकिलो
करेला	30 से 40 रु.	प्रतिकिलो
अदरक	25 रु.	प्रतिकिलो
गिलकी	30 रु.	प्रतिकिलो
खीरा	30 रु.	प्रतिकिलो
पालक	20 से 25	
गोभी	10 से 20	

फल दाम

केला	30 रुपए	दर्जन
आम	60 रु.	प्रतिकिलो
सेव	250 रु.	प्रतिकिलो
अंगूर	120 से 130 रु.	प्रतिकिलो
अनार	150 रु.	प्रतिकिलो
संतरा	180 रु.	प्रतिकिलो

बरात के परमिट बंद

जबलपुर, यश भारत। कोविड-19 के संक्रमण को देखते हुए अंतर्राज्यीय बसों का संचालन रोक दिया है। इस वजह से बरात व टूरिस्ट परमिट पर भी प्रतिबंध लग गया है। इस कारण 8 व 7 मई के सहालग की बुकिंग आपरेटरों ने निरस्त कर दी हैं। साथ ही आपरेटरों ने परमिट भी सरेंडर कर दिए हैं। इसके अलावा जिले के रूटों पर सवारियां घट जाने से 95 फीसद बसें खड़ी हो गई हैं। आम लोगों के लिए ट्रेन व बस यातायात के साधन है। पड़ोसी राज्यों में कोविड-19 का संक्रमण तेजी से फैल रहा है। इस वजह से छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र राजस्थान की ओर बसों पर रोक लगा दी है। जो बसें उत्तर प्रदेश जाती थी, उनका भी संचालन बंद है। संचालन बंद होने के बाद आपरेटर को खड़ी बस का टैक्स न देना पड़े, उसको लेकर विभाग ने भी विकल्प दिया था। करीब आधी बसों के परमिट सरेंडर हो गए हैं।

दो दिन थी बड़ी लग्न

विवाह समारोह की 7 व 8 मई की बड़ी लग्न थी। लोगों ने बरात ले जाने के लिए 6 महीने पहले बस बुक कर ली थी, लेकिन कोविड-19 की वजह से शादियों में लोगों की संख्या भी सीमित हो गई है। साथ ही दूसरे राज्यों जाने वाली बसें प्रतिबंधित है। इस वजह से लोगों ने अपनी बुकिंक को रद्द करा लिया है। बस की वजाए लोग निजी वाहन से जाना चाह रहे हैं।

इनका कहना है

अधिकतर आपरेटरों ने अपनी बसों को खड़ा कर दिया है। जेब से डीजल देकर बस चलानी पड़ रही थी। स्थानीय रूटों की 95 फीसद बसें खड़ी हो चुकी हैं।

नसीम बेग-
आईएसबीटी बस आपरेटर ऐसो. जबलपुर

स्मार्ट सिटी की निर्माणाधीन परियोजनाओं को जल्द पूरा कराने निगमायुक्त ने तेज किए प्रयास

जबलपुर। संस्कारधानी जबलपुर को देश के अन्य विकसित महानगरों की श्रेणी में लाने के लिए स्मार्ट सिटी द्वारा निर्माणाधीन सभी परियोजनाओं का समय पर पूर्ण होना अति आवश्यक है, इस बिंदु को ध्यान में रखते हुए सभी अधिकारी ठेकेदार और कंसलटेंट स्मार्ट सिटी के द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं को तय समय सीमा में पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने की दिशा में अभी से ही जुट कर कार्य करें तभी जबलपुर के विकास की गति तेज होगी और शहर की गिनती देश के बड़े महानगरों में होने लगेगी।

उक्त आशय के विचार निगमायुक्त संदीप जी आर ने स्मार्ट सिटी कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में व्यक्त किए। बैठक में निगमायुक्त और स्मार्ट सिटी के कार्यपालिक निदेशक श्री संदीप जी आर ने उपस्थित अधिकारियों और ठेकेदारों और कंसलटेंट को दो टूक कहा है कि वे स्वीकृत और निर्माणाधीन परियोजनाओं को पूर्ण कराने में जरा भी कोताही न बरतें। उन्होंने कहा है कि स्वीकृत और निर्माणाधीन परियोजनाओं के कार्यों की प्रगति में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न होती है तो इसकी जानकारी तत्काल उन्हें दी जाए ताकि उच्च अधिकारियों एवं शासन स्तर पर चर्चा कर सभी समस्याओं का समाधान कराया जा सके। निगमायुक्त संदीप जी आर ने घंटाघर, भटौली, पंडित रविशंकर शुक्ल स्टेडियम, इनक्यूबेशन सेंटर स्मार्ट रोड फेस 1 2 एवं 3 ,24×7 पेयजल योजना के साथ ही शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में निर्माणाधीन विभिन्न परियोजनाओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुए इन कार्यों के पूर्ण कराने के लिए अधिकारियों ठेकेदारों और कंसलटेंट को लक्ष्य भी प्रदान किया। उन्होंने कहा है कि परियोजनाओं के पूर्ण होने की अवधि को अब किसी भी हालत में बढ़ाया नहीं जाएगा और और यदि इस कार्य में किसी के भी द्वारा विलंब किया जाता है तो उन पर कठोर कार्यवाही करते हुए पेनाल्टी भी लगाई जाएगी। इस अवसर पर निगमायुक्त और स्मार्ट सिटी के कार्यपालिक निदेशक संदीप जी आर ने कहा है कि निर्माणाधीन परियोजनाओं का वे समय-समय पर आकस्मिक रूप से निरीक्षण करेंगे और किसी प्रकार की अनियमितताएं पाई जाती है तो संबंधितों के विरुद्ध कार्यवाही भी की जाएगी। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती निधि सिंह राजपूत, अधीक्षण यंत्री अजय शर्मा, कार्यपालन यंत्री कमलेश श्रीवास्तव,शिवेंद्र सिंह, सहायक यंत्री बाहुबली जैन, काविश मिश्रा आदि उपस्थित थे।

अधिकारियों की बैठक लेकर की समीक्षा निर्धारित समय सीमा में पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाने के दिए निर्देश

कोरोना कर्फ्यू में छत पर बच्चे चलाने लगे साइकिल

जबलपुर, यश भारत। कोरोना वायरस के संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए शहर लाक है। संक्रमण का खौफ ऐसा है कि गलियों में बच्चे भी नहीं दिख रहे। लाक डाउन की इसी बोरियत को कुछ लोग अपने अंदाज में रोचक बना रहे है। बच्चे बाहर नहीं निकल पा रहे तो उन्होंने छतों पर साइकिल चलाना शुरू कर दिया। वहीं महिलाएं छतों पर गीत, संगीत, कीर्तन, पाठ कर रही है। कुछ लोग होम साइसोलेशन में मरीजों की बोरियत दूर करने के लिए उन्हें आनलाइन हंसा रहे है तो कोइ गीत संगीत सुना रहा है।

कोई शंतरज, तो कोई कैरम खेलता

यादव कालोनी को करीब चार माइक्रो कंटेनमेंट एरिया बनाये जाने पर लोगों ने घर से बाहर निकलना बंद कर दिया। कालोनी के रवि पटेल ने बताया कि कोरोना के डर से लोग बाहर नहीं निकल रहे है, लेकिन शाम होते ही बच्चे अपना मनोरंजन करने छतों पर इकट्ठा हो जाते है। कोई साइकिल चलाता है तो कोई शतरंज, कैरम आदि खेलता है। परिवार के बड़े लोग भी घर का काम

होम आइसोलेट मरीजों के लिये आनलाइन गीत संगीत

पूरा करने के बाद बच्चों का साथ देने छतों पर आ जाते है।

इंद्रपुरी कालोनी में बीमारी खत्म करने के लिए प्रार्थना कर रहे

बादशाह हलवाई मंदिर के पास की इंद्रपुरी कालोनी में रोजाना शाम 5.30 बजे से 6.30 बजे तक महिलाएं अपने अपने घरों की छतों और आंगन में इकट्ठा होकर कालोनी का माहौल खुशहाल रखने और कोरोना महामारी को खत्म करने के लिए हनुमान चालीसा का पाठ कर रही है। गोरखपुर गुरुद्वारा से जुड़े रवीन्द्र सिंह छावड़ा ने बताया कि कोरोना के डर को खत्म करने और हमेशा सकारात्मक रहने के लिए संगत में आने वाले परिवार की हर महिला रोज शाम 1 घंटा छत या आंगन में आकर अपने अपने घरों सुखमनी साहब का पाठ करती है। वहीं पाठ के घरों के आसपास रहने वाले अन्य समाज के लोग भी शामिल होते है। पाठ के साथ ही गीत संगीत के आयोजन भी कई परिवारों में किए जा रहे है। इन आयोजनों में सोशल डिस्टेंस का पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

रोज डेढ़ घंटे हंसाकर दे रहे सकारात्मक संदेश

लगभग 50 होम आइसोलेशन मरीजों के साथ ही गणेश नगर कालोनी के लोग रोज शाम डेढ़ घंटे अपना समय हंसकर बिताते है। लोगों को हंसाने और उन्हें सकारात्मक बनाए रखने का यह काम शहर के कुछ कामेडियन कर रहे है। गणेश नगर में रहने वाली शिल्पा भाटी ने घर में बगल में एक महिला के कोरोना पाजिटिव आने से वह बहुत डर गई थी। तभी मैंने सोचा कि क्यों न रोज कामेडी कर लोगों को सकारात्मक रखने के साथ उनका मनोरंजन करूं मैंने अपने पति से कहा तो उन्होंने अपने एक मित्र से बात की। इसके बाद आनलाइन उन्हें हंसाने का प्रयास होने लगा।

फातिमा माता मरियम की वार्षिक भक्ति

कोरोना महामारी से मुक्ति की प्रार्थना

जबलपुर, । शहर के सेंट थॉमस स्कूल परिसर स्थित फातिमा की माता मरियम के तीर्थस्थल में प्रतिवर्ष वार्षिक भक्ति का आयोजन किया जा रहा है। माता मरियम भी हम मनुष्यों की भलाई के लिए पिता ईश्वर से निरंतर प्रार्थना करती हैं। बस हमें विश्वास करना है और समस्त समुदायों की भलाई के लिए निरंतर प्रार्थना करना है ताकि शीघ्र अति शीघ्र हम सब से मुलाकात कर सकें। पवित्र बाईबल में लिखा हैं - हृदय से विश्वास करने से मनुष्य धर्मी बनता है और मुख से स्वीकार करने पर उसे मुक्ति प्राप्त होती है इस प्रकार हम देखते हैं कि सुनने से विश्वास उत्पन्न होता है और जो सुना जाता है वह ईश्वर का वचन है। माता मरियम की मध्यस्थता से मई माह की भक्ति में विशेष रुप से कोरोना महामारी के शीघ्र समाप्त होने के लिए प्रार्थना की गई। । यह आयोजन पिछले 70 वर्षों से होता आ रहा है। वर्ष 1951 में इस तीर्थस्थल की स्थापना कैथलिन ओ .ग्रेडी ने की थी। तब से लेकर प्रतिवर्ष मई माह में फातिमा की माता मरियम की भक्ति अनवरत जारी है। इस वर्ष विपरीत परिस्थितियों में माता मरियम के भक्त अपने घरों में रहकर प्रार्थना कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पुर्तगाल के फातिमा नामक गांव में माता मरियम ने 13 मई 1917 को तीन अबोध व मासूम बच्चों को दर्शन दिया था।

जीवनरक्षक किट मास्क सैनिटाइजर पी पी ई किट नही मिलने से अनेक कर्मचारी संक्रमित

जबलपुर। म.प्र न्यू बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी संघ प्रांतीय उपाध्यक्ष दुर्गा मेहरा ने बताया है की जबलपुर कोविड 19 की रोकथाम में लगे स्वास्थ्य कर्मचारियों को प्राथमिक सुरक्षा के लिए दी जाने वाली जीवन रक्षक सामग्री 95 मास्क, सैनिटाइजर, हैंड ग्लब्स उपलब्ध नहीं करवाये गए। जबकि मिशन संचालक बजट उपलब्ध करवाया गया था। कर्मचारी संघों द्वारा दिये ज्ञापन पर अधिकारियों द्वारा कोई कार्यवाही नही होने से स्वास्थ्य कर्मचारी नाराज है काली पट्टी बांधकर काम करने मजबूर है । सभी कर्मचारी संघों ने स्वास्थ्य विभाग के क्रय लिपिक और जिला कार्यक्रम प्रबंधक पर फर्जी बिल लगाकर कर्मचारियों की सुरक्षा सामग्री के लिए आये बजट को अन्य मदो में खर्च कर दिए जाने का आरोप लगाया है। जिससे कर्मचारी को जीवनरक्षक किट मास्क सैनिटाइजर पी पी ई किट नही मिलने से अनेक कर्मचारी संक्रमित हो गए, अनेक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओ की इस कारण से मृत्यु हो गई। इस संबंध में तत्काल कार्यवाही करते हुए क्रय लिपिक और डीपीएम सुभाष शुक्ला को जांच पूरी होने तक जबलपुर से अन्यत्र स्थानांतरण करने संभागायुक्त और कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया था। ज्ञापन पर अधिकारियों द्वारा कोई कार्यवाही नहीं किये जाने साथ ही कर्मचारी या उनके परिवारजनों को कोरोना पॉजिटिव होता है उन्हे समय पर इलाज नहीं होता है इलाज तो उनके लिए बेड तक नहीं मिलता अधिकारियों से बात करो तो बस करते हैं कह कर टालमटोल कर देते नेता नगरी के लिए सब सुविधाएं उपलब्ध हो जाता इसलिए सभी स्वास्थ्य कर्मचारी यह चाहते हे की स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए एक कोविड वार्ड अलग हो जिसमें आईसीयू सुविधा हो इन सभी मुद्दों को लेकर आज से जबलपुर जिले के सभी स्वास्थ्य कार्यकर्ता हाथों में काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन करते अपने कर्तव्यों को पूरा करने मजबूर है संघ के दुर्गा मेहरा, राजेन्द्र सिंह तेकाम वीना द्विवेदी ममता यादव रानी राजपूत, रजनी शर्मा,शकीना खान जयंती मरको दिलीप मार्को,निर्मल क्रिकेटा वीरेंद् चौधरी,राजकुमार,सपन धर,प्रीतम झरिया, एस के दुवे जबलपुर के सभी स्वास्थ्य कार्यकर्ता मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से सी एम हेल्पलाइन 181 के माध्यम से मास्क सेनेटाइजर ये घोटाला के दोषी कर्मचारी का स्थानांतरण अन्य जिले मे करने कार्यवाही एवं स्वास्थ्य कर्मचारियो के लिए एक कोविड वार्ड अलग से हो करने की अपील करेंगे।

स्वास्थ्य कर्मचारियों ने काली पट्टी बांध कर जताया अपना विरोध

कलेक्टर ने देखा रेलवे आइसोलेशन कोच

जबलपुर। कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा ने आज मदन महल पहुंचकर रेलवे द्वारा तैयार किए गए आइसोलेशन कोच को देखा। यह एक कोविड केयर सेंटर का ही रूप है। रेलवे द्वारा कोविड की रोकथाम व बचाव के लिये 5 आइसोलेशन कोच तैयार किये गये है। इस दौरान कलेक्टर श्री शर्मा ने रेलवे के अधिकारियों तथा चिकित्सकों से सभी व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक चर्चा की। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री हर्ष दीक्षित, एसडीएम श्री ऋषभ जैन सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने मेडिकल में सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के सामने तैयार हो रहे 20 बिस्तरों वाला पोर्टेबल कोविड केयर सेंटर का अवलोकन किया। उल्लेखनीय है कि जिले के लिए यह एक अभिनव पहल है।इस दौरान उन्होंने कहा कि जल्दी ही इसे कार्यरूप में लाने के लिए समुचित तैयारी सुनिश्चित कर लें। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्री हर्ष दीक्षित, मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. कसार तथा संबंधित अधिकारी व चिकित्सक उपस्थित थे।

वित्त विभाग ने रोक रहा है मामला

5 साल बाद भी तकनीकी प्राध्यापकों को नहीं मिला7 वां वेतनमान

जबलपुर। तकनीकी शिक्षा विभाग में कार्यरत करीब 2200 प्रोफेसर और लेक्चरर पांच साल से सातवां वेतनमान पाने से वंचित बने हुए हैं। तकनीकी शिक्षामंत्री ने फाइल को कैबिनेट की बैठक में स्वीकृति दिला दी, लेकिन अब मामला वित्त विभाग ने रोक रखा है।

फाइल को वित्त विभाग में पहुंचे 25 दिन से ज्यादा का समय बीत चुका है, लेकिन अभी तक स्वीकृति होकर तकनीकी शिक्षा विभाग तक नहीं पहुंच सकी है। गौरतलब है कि प्रदेश में 70 पॉलीटेक्निक, सात इंजीनियरिंग कॉलेजों और राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में कुल मिलाकर करीब 2200 प्रोफेसर और लेक्चरर कार्यरत हैं। पांच साल इंतजार करने के बाद सभी प्रोफेसर और लेक्चरर को सातवें वेतनमान दिलाने के लिए मंत्री ने 31 मार्च को कैबिनेट की बैठक में इसे लेकर स्वीकृति दिला दी थी। इसके बाद फाइल को वित्त विभाग के पास भेज दिया गया। जहां से आज तक फाइल तकनीकी शिक्षा विभाग तक नहीं पहुंच सकी है। हालांकि कैबिनेट में प्रस्ताव जाने के पहले वित्त विभाग ने तकनीकी शिक्षा विभाग से कुछ आपत्तियां निराकृत करा ली थीं। इसके बाद प्रस?ताव कैबिनेट के समक्ष पेश किया गया था, लेकिन कैबिनेट से स्वीकृति आने के बाद वित्त विभाग में फाइल अटकी हुई है, जबकि प्रदेश के सभी 2200 प्रोफेसर और लेक्चरर सातवें वेतनमान के इंतजार में बैठे हुए हैं।

पांच साल तक चली प्रक्रिया

पांच सालों में विभाग में दो मंत्री भी विदा हो चुके हैं। इसमें 2016 में राज्यमंत्री बने दीपक जोशी और 20219 में कांग्रेस सरकार में गृहमंत्री बाला बच्चन रहे हैं। भाजपा सरकार आने के बाद मार्च 2020 से यशोधरा राजे सिंधिया को तकनीकी शिक्षा मंत्री बनाया गया है। वे भी प्रोफेसरों को सातवां वेतनमान दिलाने के लिए प्रयासरत हैं। वहीं प्रोफेसरों को भी मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया से काफी उम्मीदें हैं। इस संबंध प्रोफेसरों ने उनसे मिलकर अपनी पीड़ा भी सुनाई है, जहां उन्हें आश्वासन दिया गया है कि उन्हें जल्द ही सातवें वेतनमान का लाभ दिलाया जाएगा।

वीएफजे अस्पताल में शुरू हुआ वैक्सीनेशन

नर्स के दुर्व्यवहार के चलते 20 दिन से था बंद

जबलपुर यश भारत । विगत 12 अप्रैल से व्हीकल फैक्ट्री अस्पताल में बंद वैक्सीनेशन अब शुरू होने जा रहा है। दूसरे चरण की वैक्सीनेशन व्हीकल फैक्ट्री अस्पताल की जगह अब व्ही एफ जे सेक्टर-2मे डिस्पेंसरी में लगाई जाएगी। इसके लिए जिला प्रशासन के सूचित किये जाने के बाद तैयारी कर ली गई है।डिस्पेंसरी मे सबसे पहले टीका डी एन वर्मा संयुक्त महाप्रबंधक ने लगवाया।उनको पहला टीका डा.बंडो ने लगाया।

यशभारत खबर का असर

यहां बता दें कि कल मंगलवार को सबसे पहले यश भारत में इस मुद्दे को उठाया था ।उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व व्हीकल फैक्ट्री अस्पताल में वैक्सीनेशन किया जा रहा था लेकिन 11 अप्रैल को वैक्सीनेशन करने वाली नर्स जूली झा द्वारा फैक्ट्री के सेवानिवृत्त बुजुर्ग कर्मचारी बी एन दास से दुर्व्यवहार किया था। जिसका वीडियो पूरे शहर में वायरल हो गया था इस पर खुद कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने संज्ञान लेते हुए महाप्रबंधक व्हीएफजे से इसकी शिकायत की थी ।शिकायत के बाद प्रबंधन ने जहां नर्स को वैक्सीनेशन से अलग कर दिया था वही जिला प्रशासन ने हाल फिलहाल के लिए वहां पर वैक्सीनेशन बंद कर दिया था जिसके चलते 45 वर्ष से अधिक के कर्मचारी उनकी परिवार के साथ पूर्व में पहली डोज लगवा चुके लोग दूसरी डोज के लिए चिंतित और परेशान थे ।विगत26 अप्रैल को जिला प्रशासन द्वारा निर्माणी प्रबंधन की बैठक में व्ही एफ जे के प्रतिनिधि शैलेन्द्र सिंह ने बैठक की अध्यक्षता कर रहे संदीप जी आर के संज्ञान में यह तथ्य लाने के बाद स्वास्थ्य विभाग को फिर से वेक्सिनेशन के निर्देश दिये गए थे ।लेकिन पुन: टीकाकरण शुरू न होने पर यूनियनों ने इसकी मांग करते हुए जी एम को पत्र देने के साथ जिला प्रशासन से भी तत्काल टीकाकरण करने की मांग की थी ।इस मामले को लेकर संयुक्त महाप्रबंधक एम के मौर्या और कनिष्ठ कार्य प्रबंधक शैलेंद्र सिंह लगातार जिला प्रशासन से संवाद करते रहे ।फलस्वरूप व्हीकल फैक्ट्री में टीकाकरण फिर से शुरू हो गया है ।बताया गया कि डिस्पेंसरी मे आम जन भी टीकाकरण करा सकते हैं।

ट्रेन के आते ही लगाई छलांग क्षत-विक्षत मिला शव

जबलपुर यश भारत। जिले के ग्रामीण थाना क्षेत्रों में दो अलग-अलग युवकों की ट्रेन से कटकर मौत हो गइ। पुलिस ने प्रारंभिक कार्रवाई के उपरांत शव को अपने कब्जे में लेने के बाद पोस्टमार्टम के लिए रवाना करते हुए घटना की पड़ताल शुरू कर दी है पहली घटना खितौला थाना अंतर्गत हुई वहीं दूसरी घटना शाहपुरा थाना अंतर्गत किसरोद रेलवे फाटक के पास घटित हुई। इस संबंध में सिहोरा जीआरपी ने जानकारी देते हुए बताया कि आज सुबह स्टेशन मास्टर की सूचना प्राप्त हुई थी स्टेशन की कुछ दूरी पर डाउन रेलवे लाइन पर एक युवक की किसी अज्ञात ट्रेन से कटकर मौत हो गई उक्त सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची जीआरपी ने बताया कि मृतक की जेब से एक आधार कार्ड मिला है जिसमें मुकेश कुमार पिता शिव कुमार कुमी सतधारा लिखा जीआरपी संबंध में थाना को इस घटना की जिसके पता लगाया जा रहा है जीआरपी ने बताया कि दुर्घटना स्थल को देखकर प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि मृतक रेलवे लाइन पार कर रहा था इसी दौरान उसका सिर ट्रेन से टकरा गया और उसकी मौत हो गई जीआरपी ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रवाना करते हुए घटना की पड़ताल शुरू कर दी है।

शहपुरा में भी ट्रेन से कटा युवक

वहीं दूसरी घटना आज सुबह शाहपुरा थाना अंतर्गत किसरौद रेलवे फाटक के पास घटित हुई इस संबंध में पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि सुनाचर निवासी 28 वर्षीय विनीत अहवासी पिता परम लाल निवासी आज सुबह बाइक में सवार होकर किलोमीटर 935/2628 के पास पहुंचा उसने अपनी बाइक रेलवे लाइन से कुछ दूर आगे खड़ी कर दी और डाउन रेलवे ट्रैक पर पहुंचा इसी दौरान उसने जैसे ट्रेन को आते देखा तो उसके सामने छलांग लगा दी इस दुर्घटना में मृतक के टुकड़े हो गए दुर्घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रारंभिक कार्रवाई के उपरांत शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रवाना करते हुए घटना की पड़ताल शुरू कर दी है सूत्रों के अनुसार मृतक काफी दिनों से मानसिक तनाव में चल रहा था जिसके कारण उसने यह आत्मघाती कदम उठाया पुलिस पीड़ित पक्ष से इस घटना के संबंध में कथन ले रही है इसके बाद ही घटना का पूरा पता चल सकेगा।

महामारी के दौर में सेवानिवृत्त डॉक्टरों, नर्सों, कम्पाउंडरों की सेवा ली जाए

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संयुक्त समन्वय समिति ने बताया कि कोरोना महामारी की भयावत स्थिति पूरे प्रदेष में चरम सीमा पर है ऐसे में संक्रमित मरीजों को इलाज में किसी प्रकार की देरी या कोताही नहीं बरतनी चाहिए बल्कि उन्हे समय पर सभी सुविधायुक्त ट्रीटमेंट मिलना चाहिए जो कि पर्याप्त डॉक्टर,नर्सों, कम्पाउंडरो और स्वास्थ्य से संबधित स्टाफकी मौजूदगी से ही संभव है ।

परंतु देखा जा रहा है कि संक्रमितो की संख्या दिन प्रतिदिन बड़ती जा रही है परन्तु इसके एवज में डॉक्टरों, नर्सों, कम्पाउंडरों की कमी होती जा रही है क्योंकि मौजूदा दौर में जो अपनी सेवा दे रहे हैं वे भी संक्रमित होते जा रहे हैं ऐसे में सेवा निवृत्त डॉक्टारों, नर्सों, कम्पाउंडरों की सेवा डेली बेसिस पर या फैकल्टीस के रूप में ली जा सकती है इससे चिक्तसकों की कमी को एक हद तक दूर किया जा सकता है। संघ ने आगे बताया कि महामारी के इस भयावत दौर में चिकित्सकों के अभाव में कोरोना संक्रमित मरीज जीवन पाने के लिए जूझ रहे हैं वहीं शासकीय और अषासकीय अस्पतालों में चिकित्सीय अमलों की कमी पड़ रही है वैसे भी गिनती के स्टाफसे 24 घण्टें अपनी सेवाएं देने की अपेक्षा नहीं की जा सकती यदी वे अपनी ड्यूटि लगातार करते रहे तो उनके संक्रमित होने के चांसेस बड़ जांएगे और फिर गंभीर समस्या उत्पन्न हो सकती है। ऐसे में यदि सेवा निवृत स्वास्थ्य कर्मियों, डॉक्टरों की सेवा ली जा सकती है जिससे एक हद तक समस्याओं से निजाद पाई जा सकती है। संघ के प्रांताध्यक्ष उदित भदोरिया, जिलाध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, जियाउर्रहीम, मीनूकांत शर्मा, एनोस विक्टर, कैलाष शर्मा, विनोद सिंह, हेमंत ठाकरे, दिनेष गौंड़, गोपीषाह, आषाराम झारिया, अजय मिश्रा, अरूण जैन, गिरीषकांत मिश्रा, सुनील स्टीफन, राजेष चतुर्वेदी, मनोज खन्ना, स्टेनली नार्बट, निलेष खरे, अषोक परस्ते, अनूप डाहट, एस.बी.रजक, प्रकाष मिश्रा, चैतन्य कुषरे, रिषीनारायण पराषर, हर प्रसाद चड़ार, धर्मेन्द्र गुप्ता, अनूप सिन्हा, आदि ने मुख्य मंत्री से मांग की है कि कोरोना महामारी के इलाज हेतु डॉक्टरों, नर्सों, कम्पाउन्डरों, नर्सिंग स्टाफें की पूर्ती हेतु सेवानिवृत्त डाक्टरों,नर्सों,कम्पाउन्डरों एवं चिकित्सा से संबधित अन्य सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सेवा ली जाए।

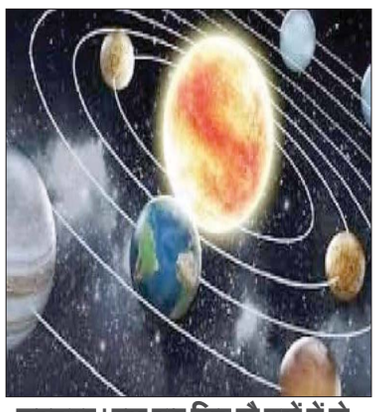

जबलपुर। एक बार फिर नौ ग्रहों में से भौतिक सुखों के कारक शुक्र देव चार मई को राशि परिवर्तन कर गए हैं। शुक्र ग्रह अपनी चाल बदलते हुए अपनी ही राशि वृषभ में प्रवेश किया। ज्योतिष में शुक्र को एक शुभ ग्रह माना गया है।

शुक्र का वृषभ राशि में प्रवेश

यह पड़ेगा सभी राशियों पर असर

एक ओर जहां कुंडली में मजबूत होने पर शुक्र जातकों को अच्छे परिणाम देता है तो वहीं कमजोर होने पर अशुभ फल प्रदान करता है। शुक्र ग्रह ज्योतिष में भाग्य के कारक माने गए हैं। साप्ताहिक दिनों में इनका दिन शुक्रवार है और इस दिन की कारक देवी स्वयं धन की देवी लक्ष्मी हैं। बुध ग्रह से जहां इनकी मित्रता है, वहीं शनि के साथ यह ज्योतिष के लगभग सर्वाधिक मजबूत योग का निर्माण करते हैं। शुक्र ग्रह को धन, ऐश्वर्य, कला, मनोरंजन, भोग विलास, लव, रोमांस, फैशन, दांपत्य सुख का कारक भी माना गया है। बालाजी धाम काली माता मंदिर के ज्योतिषाचार्य के अनुसार शुक्र ने वृषभ राशि में प्रवेश चार मई की दोपहर एक बजकर नौ मिनट पर किया और फिर 28 मई को दोपहर 11 बजकर 44 मिनट तक इसी राशि में रहेंगे। उसके बाद ये मिथुन राशि में प्रवेश कर जाएंगे। शुक्र ग्रह के वृषभ राशि में आने से तीन ग्रहों की युति का निर्माण होगा, यानी वृषभ राशि में एक साथ राहु, बुध और शुक्र की युति होने जा रही है, इसलिए कुछ मामलों में लोगों को सावधान रहना होगा। शुक्र का राशि परिवर्तन जहां कुछ राशियों को फायदा देगा, वहीं कुछ राशियों में लोगों के सामने नई परेशानियां भी पैदा करेगा। वृषभ राशि में ग्रहों की होने वाली हलचल मेष राशि से लेकर मीन राशि तक में दिखाई देगी। जिसका असर आगामी दूरगामी दिनों में देखने को मिलेगा।

ग्रह पर दिखाई देगा प्रभाव

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि मई में ग्रहों की जो स्थिति बनने जा रही हैं, वह बड़े परिवर्तन की ओर इशारा कर रही है। शुक्र, बुध और सूर्य के राशि परिवर्तन से व्यापार में तेजी और बीमारियों में कमी आएगी। साथ ही रोजगार के अवसर ब?ेंगे, आय में इजाफा होगा, प्राकृतिक घटनाएं घटेंगी, भूकंप आने की भी संभावना है। वहीं राजनीति में भी ब? स्तर का परिवर्तन देखने को मिलेगा। इसका प्रभाव राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देखा जाएगा। वहीं जन आंदोलन व कोरोना महामारी के संक्रमण में कमी आने की संभावना के साथ सोने चांदी के भाव में तेजी आएगी। देश को कोई बड़ी अप्रिय घटना सुनने को मिल सकती है।

रिकवरी रेट 86.63 प्रतिशत हुआ

जबलपुर। जिले में रिकवरी रेट में लगातार सुधार दिख रहा है। मंगलवार शाम छह बजे तक प्राप्त 4412 सेम्पल की जांच रिपोर्ट में 826 नए संक्रमित मिले। वहीं 830 लोग ठीक हुए। कुल संक्रमितों की संख्या 40 हजार 17 हो गई। इसी तरह ठीक होने वालों वालों की संख्या भी 34 हजार 668 हो चुकी है। 8 मौतों के बाद कुल आंक?ा 455 का पहुंच गया। जिले में जहां 5715 एक्टिव केस हैं। वहीं 2030 संदिग्ध केस हैं। 80 कंटेनमेंट जोन बनाया गया है। वहीं 3441 लोग घरों में इलाज करा रहे हैं।,

इलाज के अभाव में मरता सरकारी कर्मचारी

जबलपुर। मध्यप्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के अटल उपाध्याय ने बताया कि कोविड-19 कोरोना महामारी के संक्रमण के चलते सरकारी कर्मचारी भारी मात्रा में संक्रमित होते जा रहे हैं, उनको शासकीय अस्पतालों में बीमारी का उचित ईलाज नही मिल रहा है। निजी अस्पताओं में कर्मचारियों के ईलाज की कोई व्यवस्था नहीं की गई है, कोरोन पीडित कर्मचारी एवं उनका परिवार भर्ती हेतु निजी अस्पताओं के चक्कर काट रहे हैं उन्हें वहां भर्ती नहीं किया जा रहा है ।संघ के अटल उपाध्याय, नन्दु चंसोरिया, चन्दु जाउलकर, मुन्नालाल पटैल, आर. के.गुलाटी, अरूण दुबे, बिटू आहलोवालिया, उमेश पारखी, विजय सेन, मस्तराम राय, शकिल खान, अनिल दुबे, आशुतोष तिवारी, सुरेन्द्र जैन, नितिन अग्रवाल, गगन चौबे, मो0 तारिख, धीरेन्द्र सोनी, संतोष तिवारी, प्रियांशु शुक्ला, अभिषेक मिश्रा, राजकुमार सिंह, देवदत्त शुक्ला, सोनल दुबे, विजय कोष्टी, प्रणव साहू, महेश कोरी, आदि ने जिला प्रशासन से मांग की है शासकीय कर्मचारियों के कोरोना के ईलाज के लिए निजी अस्पताओं को निर्धारित की जावे।

बंगाल में भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या, आगजनी

जबलपुर में धरना, प्रदर्शन

जबलपुर। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के द्वारा किये जा रहे भाजपा कार्यकर्ताओं की निर्मम हत्या और आगजनी के खिलाफ आज भाजपा महानगर के अंतर्गत स्वामी विवेकानंद मण्डल के द्वारा लेबर चौक में धरना-प्रदर्शन किया गया ।इसमें प्रदेश कोषाध्यक्ष सीए अखिलेश जैन , युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष रंजीत पटेल, मंडल अध्यक्ष योगेश बिलोहा, रंजीत ठाकुर, अमर पटेल, अनिकेत चौरसिया, मयंक भम्भानी आदि मंडल के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चरित्र संदेह पर पति ने किराएदार और फिर पत्नी को चाकू से गोद डाला

आरोपी तीन घंटे के अंदर हिरासत में

आरोपी इब्राहिम और मृतिका राबिया(फाइल फोटो)

जबलपुर,यशभारत। ओमती पुलिस ने थाने से चंद कदम दूर दोहरे हत्याकांड को अंजाम देकर सनसनी फैलाने वाले आरोपी को तीन घंटे के अंदर हिरासत में ले लिया। आरोपी से देर रात तक पूछताछ जारी था ।उल्लेखनीय है कि चरित्र संदेह में एक व्यक्ति ने पहले किराएदार और फिर अपनी पत्नी की चाकू से गोदकर बेरहमी से मार डाला। उसकी तीन छोटी बेटियां हैं। आरोपी ने प्रेम विवाह किया था ।जानकारी के अनुसार घंटाघर के समीप उड़िया मोहल्ला मार्ग पर नाले के किनारे टपरानुमा मकान में मोहम्मद इब्राहिम पत्नी राबिया और तीन बच्चों के साथ ससुराल में रह रहा था। उसने राबिया (38) से प्रेम विवाह किया था। वह मूलत: दमोह का रहने वाला है, लेकिन कुछ समय से ससुराल में ही रहकर वेल्डिंग का काम करने लगा था। उसी मकान में किराए से शकील (32) भी रह रहा था। वह घोड़ा बग्घी चलाता था ।मोहम्मद इब्राहिम की सास ने पुलिस को बताया कि किराए से ही उसका घर चलता है। शकील का वहां किराए से रहना इब्राहिम को पसंद नहीं था। वह राबिया के चरित्र पर संदेह करता था। कई बार इसे लेकर घर में कलह हुई थी। मंगलवार रात 10.30 बजे खाना खाने के दौरान पति-पत्नी विवाद हुआ। इसके बाद मोहम्मद इब्राहिम चाकू लेकर गुस्से में घर से निकला। उस समय शकील अपने घोड़ा बग्घी के पास खड़ा था। तभी उसने चाकू से उसके पेट व पीठ पर वार कर दिया। शकील ने बचने के लिए दौड़ लगा दी। शोर सुनकर इब्राहिम की पत्नी राबिया निकली तो चाकू उसकी छाती में घोंप दिया। राबिया मौके पर ही बेहोश होकर गिर गई। आरोपी इब्राहिम चाकू लहराते हुए भाग निकला। मोहल्ले वालों की मदद से दोनों को विक्टोरिया अस्पताल भिजवाया गया। जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। दोहरे हत्याकांड की खबर मिलते ही टीआई एसपीएस बघेल सहित सीएसपी ओमती, एएसपी सिटी रोहित काशवानी भी एफएसएल टीम के साथ पहुंचे। पुलिस सूत्रों की मानें तो ओमती पुलिस ने प्रकरण में हत्या का मामला दर्ज करते हुए तीन घंटे के अंदर आरोपी इब्राहिम को दबोच लिया।

RNA एक्सट्रेक्शन मशीन, टेस्टिंग किट्स प्रशासन को देगा रोटरी साउथ

जबलपुर। रोटरी क्लब जबलपुर साउथ द्वारा वैश्विक महामारी कोविड-19 के प्रकोप से जबलपुर एवं आसपास की जनता को बचाने च्प्रोजेक्ट संजीवनज्ञ के अंतर्गत ऑटोमेटिक आरएनए एक्सट्रैक्शन मशीन एवं 4000 टेस्टिंग किट्स प्रशासन को प्रदान की जा रही है । च्प्रोजेक्ट संजीवनज्ञ के संयोजक पूर्व अध्यक्ष अखिल मिश्र ने बताया की 35 लाख की लागत की यह अत्याधुनिक ऑटोमेटिक मशीन 23 मिनट में 96 सैंपल का परिणाम देती है तथा बहुउपयोगी यह मशीन कोविड के साथ अन्य किसी भी वायरस से आरएनए को प्रथक करती है , जिसके कारण आने वाले वर्षों के लिए भी यह मशीन अत्यंत ही कारगर सिद्ध होगी। इस अत्याधुनिक मशीन से अभी जो टेस्ट 4-30 से 5 घंटे में मैनुअली किया जा रहा है वह समाप्त हो जाएगा तथा मात्र एक से डेढ़ घंटा ही लगेगा तथा परिणाम भी लगभग 100त्न सही होंगे। मशीन के पूरी तरह ऑटोमेटिक होने से टेस्टिंग की क्षमता अत्याधिक बढ़ जावेगी।

विद्युत कर्मचारियों को कोरोना वारियर्स मानकर टीका लगवाने छूट दी जाए

जबलपुर। मध्य प्रदेश यूनाइटेड फो रम फार पावर एंप्लाइज एंड इंजिनियर्स एसोसिएशन के जबलपुर के संयोजक एसके पचौरी एवं रीजनल संयोजक रीजन संयोजक नीलाभ श्रीवास्तव ने बताया कि जबलपुरजिले के साथ-साथ मध्य प्रदेश के अधिकांश जिलों में करोना का कहर फैल चुका है जिसके शिकार विद्युत अधिकारी कर्मचारी लगातार हो रहे हैं देखा जाए तो मध्यप्रदेश में लगभग 2 दर्जन के करीब विद्युत अधिकारी कर्मचारी कार्य के दौरान करोना से संक्रमित होकर मौत के गाल में समा गए हैं, एवं लगभग 3 सैकड़ा विद्युत अधिकारी कर्मचारी करोना संक्रमित होकर अस्पतालों में मौत से जूझ रहे हैं । ऊपर से कंपनी प्रबंधन का घर घर जाकर राजस्व वसूली के लिए विद्युत अधिकारी कर्मचारियों पर भारी दबाव बना हुआ है घर घर राजस्व वसूली के दौरान ही यह अधिकारी कर्मचारी करोना से संक्रमित हुए हैं अब इनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है यूनाइटेड फोरम के प्रदेश संयोजक इंजीबी के एस परिहार के द्वारा लगातार शासन स्तर पर एवं कंपनी प्रबंधन से इस बात की मांग की जा रही है कि विद्युत कंपनियों मैं कार्यरत अधिकारियों कर्मचारियों, कंपनी कैडर, संविदा एवं आउट सोर्स के कर्मचारियों को करोना वारियर्स की श्रेणी में मानते हुए सभी अधिकारी कर्मचारियों को करोना के टीके लगवाने आदेश तुरंत प्रसारित किए जाए, इसमें उम्र की बाध्यता समाप्त की जाए ।साथ ही फोरम ने माग की है कि करोना वारियर्स मानते हुए मृत अधिकारी कर्मचारियों, संविदा एवं आउट सोर्स सभी कैडर के परिवार को शासन स्तर से रुपए 50 लाख की आर्थिक सहायता राशि मृतकों के परिजनों को दी जाए एवं प्रदेश भर में कैशलेस बीमा योजना सभी के लिए तुरंत लागू की जानी चाहिए।

रेल कर्मियों को मजदूर संघ ने सहायता राशि स्वीकृत कराई

***जबलपुर यश भारत।** पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर, भोपाल तथा कोटा मंडलों, मुख्यालय, कोटा एवं भोपाल कारखानों व शेडों आदि इकाइयों में कोविड-19 का संक्रमण दिन-प्रतिदिन बढ़कर एक भयंकर रूप ले रहा है, जिससे प्रतिदिन लगभग 4-5 कर्मचारियों का दु:खद निधन हो रहा है ।पश्चिम मध्य रेल म?दूर संघ के महामंत्री अशोक शर्मा व संघ प्रवक्ता सतीश कुमार ने बताया कि संघ के अध्यक्ष डॉ आर.पी. भटनागर के निर्देश पर कोरोना के संक्रमण से जूझ रहे कर्मचारियो को आर्थिक सहायता देने के लिए महामंत्री अशोक शर्मा ने प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी पश्चिम मध्य रेल जबलपुर एसके अलबेला से वार्ता कर स्टॉफ बेनिफिट फंड के माध्यम से पमरे के कर्मचारियों को 35 लाख की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत करवाई है ।जिसमें 10-10 लाख कोटा, भोपाल तथा जबलपुर मंडलों, 2-2 लाख भोपाल तथा कोटा वर्कशॉप व 1 लाख मुख्यालय जबलपुर के रेल कर्मचारियों के लिए स्वीकृत हुई है। राशि मिलने के पश्चात् कोविड-19 से संक्रमित होने से आईसोलेशन अस्पतालों में इलाजरत रेल कर्मचारियों को मुख्यालय वर्कशॉप व मंडलों द्वारा उक्त राशि का विचार विमर्श कर आवंटित कर रेल कर्मचारियों को सीधे आर्थिक सहायता प्रदान की जायेगी।

इनकी रही अहम भूमिका

उक्त निर्णय पर संघ के कोषाध्यक्ष अनुज तिवारी, संयुक्त महामंत्री सतीश कुमार, एसके वर्मा, मंडल अध्यक्ष एसएन शुक्ला, मंडल सचिव डीपी अग्रवाल, सहायक महामंत्री एसके सिन्हा, महिला अध्यक्ष अंशु भटनागर, महिला महामंत्री सविता त्रिपाठी , अवधेश तिवारी , जी.पी. सिंह , आर.एस.सिंह , दीपक केसरी , दीना यादव, जेपी मीना, रोशन यादव, एसआर बाउरी , मंदीप सिंह, अनिल चौबे आदि की अहय भूमिका रही।

कुली बेहाल, बुहनी तक नहीं हो रही

जबलपुर । स्टेशन पर रेलवे द्वारा 100 कुली को तैनात किया गया था। बाकायदा इन्हें लाइसेंस के बाद बिल्ला भी दिया था। इनमें से 70 कुली यात्री न मिलने से स्टेशन नहीं आ रहे हैं। इनमें से कई अपने गांव लौट गए हैं। वर्तमान में 30 कुली स्टेशन पर यात्रियों की बाट जोह रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 90 के दशक में प्रदर्शित सदी के महानायक अमिताभ बच्चन की फिल्म कुली से अनेक लोगों ने प्रेरणा ली। वहीं कई ने इसे बेहतर जॉब समझा और कुली बनने उत्सुकता दिखाई। पर कोरोना संकगमण के कारण अब वे पाई-पाई को मोहताज हैं। इतना ही नहीं स्टेशन पर उनकी बोहनी तक नहीं हो रही है। गौरतलब है कि बड़ी संख्या में स्टेशन पर यात्रियों का सामान ढोने वाले कुली जबलपुर स्टेशन पर अपनी और परिवार की परवरिश कर रहे हैं। अब कोरोना के कारण यात्रियों की संख्या कम होने से हालात् बदल गए हैं और अपनी आधी आयु व्यतीत कर चुके कुली को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ।जबलपुर स्टेशन पर महिला कुली को देख पहले यात्रियों को आश्चर्य जरूर हुआ। लेकिन 1 के बाद अब 4 महिला कुली हैं। संक्रमण के भय से इन्होंने एक पखवाड़े से स्टेशन आना बंद कर दिया है। इनमें संतरा भारती, रीना, संध्या और लक्ष्मी प्रजापति बाकायदा यात्रियों का लगेज उठाकर भरण-पोषण कर रहीं थीं। रेलवे द्वारा भर्ती किए गए कुली को स्टेशन आने-जाने के लिए सिर्फ पास जारी किए गए हैं। इसके अलावा अस्पताल की सुविधा है। हालांकि दो शिफ्ट में ड्यूटी के दौरान आराम के लिए रेस्ट हाउस भी बना है। पहले औसतन एक कुली 4 से 5 सौ रुपए तक कमा लेता था। अब एकाध लगेज में 50 रुपए से ज्यादा नहीं मिल पाते। वर्तमान में संकट से जूझ रहे कुली कहते हैं कि इस विकट परिस्थिति में उन्हें रेल प्रशासन से मानदेय या राशन मिल जाए तो काफी राहत मिल सकेगी।

संपादकीय

संकट से जूझने में हो समय का उपयोग

देश में कोरोना संक्रमण जिस तेजी से फैल रहा है। स्थिति नियंत्रण से बाहर है। और देश में ऑक्सीजन संकट व चिकित्सा सुविधाओं का जो हाल है, उसे देखते हुए अदालत, विशेषज्ञ व उद्योग जगत भी लॉकडाउन लगाने पर जोर दे रहा है। लॉकडाउन के समय का उपयोग ऑक्सीजन उत्पादन बढ़ाने व आपूर्ति तथा मरीजों के लिये चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में होना चाहिए। साथ ही इस समय का उपयोग वैक्सीन उत्पादन बढ़ाने व टीकाकरण अभियान में तेजी लाने के लिये भी किया जा सकता है। लेकिन पिछले साल के दो माह के सख्त लॉकडाउन के दुष्प्रभावों से सहमी केंद्र सरकार फूंक-फूंककर कदम बढ़ा रही है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने कहा भी था कि लॉकडाउन को अंतिम विकल्प के रूप में अपनाया जाना चाहिए। लेकिन संसाधनों की कमी और संक्रमण की भयावहता को देखते हुए कुछ राज्य पंद्रह दिन, सप्ताह, तीन दिन या सप्ताहांत का लॉकडाउन लागू कर चुके हैं। महाराष्ट्र में संक्रमण की भयावहता के बीच लगाये गये लॉकडाउन के अच्छे परिणाम देखे गये हैं। ऐसे में साफ है कि लॉकडाउन का वास्तविक फायदा तभी है जब पूरे देश में केंद्र व राज्यों के समन्वय से इस दिशा में कदम उठाया जाये। यही वजह कि पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय बेंच ने ऑक्सीजन, आवश्यक दवाओं तथा वैक्सीनेशन नीति के प्रोटोकॉल की समीक्षा के साथ ही केंद्र व राज्यों को लॉकडाउन लगाने की सलाह दी। हालांकि, इससे पहले जब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को राज्य के पांच जिलों में लॉकडाउन लगाने के आदेश दिये तो राज्य सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत के फैसले पर रोक लगा दी थी। यद्यपि योगी सरकार ने इसके बाद सप्ताहांत लॉकडाउन की अवधि में वृद्धि की थी। हाल के दिनों में हरियाणा में एक सप्ताह, पंजाब सरकार ने पंद्रह मई तक बंदिशें तथा ओडिशा सरकार ने दो सप्ताह का लॉकडाउन लगाया है। हालांकि, इस बार का लॉकडाउन पिछले साल की तरह सख्त नहीं है। देश के विभिन्न राज्यों में कोरोना संक्रमण में जिस तरह तेजी आई है और अस्पतालों में जगह न मिलने व ऑक्सीजन की कमी से जिस तरह से लोग मर रहे हैं, भविष्य की तैयारी के लिये लॉकडाउन अपरिहार्य माना जाने लगा है। भारत ही नहीं, विदेशी विशेषज्ञ भी मौजूदा संकट में लॉकडाउन को उपयोगी मान रहे हैं। अमेरिका में बाइडन प्रशासन के मुख्य चिकित्सा सलाहकार एंथनी फाउची का सुझाव था कि भारत को वायरस के संचरण को रोकने के लिये कुछ सप्ताह का लॉकडाउन लगाना चाहिए। लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि इस अवधि का उपयोग चिकित्सा सुविधाओं को जुटाने तथा वैक्सीनेशन कार्यक्रम में तेजी लाने के लिये किया जाना चाहिए। लेकिन एक चिंता उन लोगों की भी है, जिनको पिछले साल सख्त लॉकडाउन लगाने पर सबसे ज्यादा भुगतना पड़ा था। रोज कमाकर खाने वाले वर्ग की चिंता भी इसमें शामिल है। उस वर्ग की भी जो लाखों की संख्या में अपने गांवों को पलायन कर गया था, जिसके चलते गांवों में भी संक्रमण में तेजी आई थी। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट की बेंच को कहना पड़ा कि हमारी चिंता समाज के वंचित वर्ग के सामाजिक व आर्थिक जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर है। सरकार को पहले इस वर्ग को सहायता पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। यही वह वर्ग था जिसे लॉकडाउन शब्द से भय होने लगा था। लेकिन देश के जो हालात हैं उसमें लॉकडाउन को अंतिम विकल्प के रूप में प्रयोग माना जा रहा है। यही वजह है कि उद्योग जगत की प्रतिनिधि संस्था सीआईआई ने देश में संक्रमण के विस्तार को नियंत्रित करने के लिये आर्थिक गतिविधियों में कटौती तथा सख्त कदम उठाये जाने की मांग की है। निश्चिय ही अब केंद्र सरकार को पिछले लॉकडाउन के दुष्प्रभावों से सबक लेकर संक्रमण के चक्र को तोड़ने का प्रयास करना चाहिए। लेकिन सरकार को लॉकडाउन लगाने से पहले कमजोर वर्ग के लोगों को व्यापक राहत देने का कार्यक्रम लागू करना चाहिए।

रहज़नों से गिला नहीं, रहबरी का सवाल

हाल ही में चंद पंक्तियां नज़र से गुजरीं, साझा कर रहा हूं; देश की मौजूदा स्थिति पर एकदम मौजूं है–

बाज़ार खाली, सड़कें सूनी
मोहल्ले वीरान हैं
खौफ बरपा है हर तरफ़
लोग हैरान हैं
यह वो खौफ है
जो दुनिया को डराने आया है
इतिहास गवाह है
कि यह मसला भी सुलझ जाएगा

भले ही कोई महान कविता न हो, लेकिन मौजूदा यथार्थ को बयां करती है, लेकिन अंत में सकारात्मकता भी जगाती है। हम, बतौर राष्ट्र अल्पकाल में इन हालात में कैसे पहुंचे और मुसीबत ने दूसरी बार हमें अधूरी तैयारी के बीच आ घेरा है। कोविड-19 की पहली लहर बहुत ज्यादा प्रलयंकारी नहीं थी और हम अपने सीमित संसाधनों के बावजूद उसे झेल पाए थे। क्योंकि दूसरी लहर के दौरान सरकार की जो कमियां रही हैं, उन पर खूब मीडिया कवरेज हो चुकी है, लिहाजा उन्हें दोहराना बेमानी होगा।

तथापि, मौजूदा त्रासदी की एक सबसे बड़ी वजह है। सरकार में ऊपर से लेकर नीचे तक डींगें हांकना। देश का नेतृत्व कोरोना की पहली लहर से निपटने को लेकर खुद अपनी पीठ थपथपाने में लगा रहा, और इस 'जीत' के कसीदे पढ़े जा रहे थे। सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा फरवरी, 2021 में जारी किए गए राजनीतिक घोषणापत्र में बताया गया 'कोविड महामारी के दौरान भारत ने कोविड से कैसे निपटें दिखाकर दुनिया के सामने उदाहरण पेश किया।' हमने दावा किया कि हम ऐसी वैक्सीन बनाने वाले हैं, जिससे सारी दुनिया को बचाया जा सकता है। हालांकि, यह ठीक है कि दूसरे देशों द्वारा विकसित की गई वैक्सीन का उत्पादन करने की सबसे बड़ी क्षमता भारत के पास है और विश्वभर को हम बनाकर दे सकते हैं। जब सरकार की कोताहियों की आलोचना विदेशी अखबारों में होने लगी, तब हमारे विदेश मंत्री ने पश्चिमी मीडिया को बताया कि भारत सरकार चंद विदेशी अखबारों के हुक्म पर चलने को बाध्य नहीं है, यदि कोई सरकार हमें 'धकियाने' की कोशिश करेगी तो हम उलटा उसे 'धकिया' देंगे। साथ ही उन दावों को दोहराया, जिसमें देश को नया 'आर्थिक पॉवरहाउस' बनने के अलावा 'विश्वगुरु' बनने का दंभ भरा जाता है। हमने अपनी सैन्य शक्ति को लेकर भी डींग हांकी कि चीन की घुसपैठ वाली हरकत को निष्फल कर दिया है, जबकि आज भी वह वहीं जमा बैठा है। सत्तारूढ़ दल के चोटी के मंत्री-राजनेता विपक्ष की छीछालेदर करने में ऐसे व्यस्त रहे कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के सुझावों के प्रत्युत्तर में उनका मजाक उड़ाता पत्र लिखा। संक्षेप में, कोरोना पर 'जीत' की खुमारी तारी थी और डींगें हांकना भारी पड़ा।

विशेषज्ञों ने चेताया था कि कोविड-19 की दूसरी लहर जल्द आ सकती है और ज्यादा खतरनाक होगी, इसके बावजूद एक के बाद एक राज्यों ने कोरोनारोधी तंत्र को कमतर कर दिया था। 26 अप्रैल को 'इंडियन एक्सप्रेस' के मुखपृष्ठ पर छपी खबर में बताया गया है कि कैसे दिल्ली, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, झारखंड, बिहार इत्यादि सूबों ने साल की शुरुआत से कोविड संबंधी अतिरिक्त प्रबंधन और कोविडरोधी संहिता पालन को इस मुगालते में आकर कमतर करना शुरू कर दिया था मानो महामारी का अंत हो चुका है। अस्थाई अस्पतालों को बंद कर दिया और अनुबंध पर रखे गए स्वास्थ्य कर्मियों को हटा दिया गया। भावी आपातस्थिति के लिए जरूरी विशिष्ट स्वास्थ्य तंत्र जैसे कि वेंटिलेटर, मेडिकल ऑक्सीजन, आईसीयू बिस्तर संख्या, स्टाफ और अतिरिक्त अस्थाई अस्पतालों की संख्या बढ़ाने की ओर बहुत कम प्रयास किए गए। जबकि राज्यों को दूसरी लहर को निश्चित जानकर निपटने हेतु समांतर योजनाएं अलग से तैयार रखनी चाहिए थींङ्कआखिरकार स्वास्थ्य क्षेत्र राज्यों का विषय है। उधर केंद्र सरकार को भी तकनीकी उपकरणों और अन्य बुनियादी ढांचा विकास हेतु तमाम आवश्यकताओं के मद्देजनर राष्ट्रीय कार्य-योजना बनाकर पहले से तैयार रहना चाहिए था, खासकर जब वैक्सीन के आवंटन-नियंत्रण और इसमें जरूरी धन के लिए राज्य सरकारें पूरी तरह से केंद्र पर निर्भर हों।

स्वास्थ्य क्षेत्र हेतु केंद्र सरकारों ने हमेशा कंजूसी दिखायी, यहां तक कि कोरोना काल के बाजजूद मौजूदा बजट में यह मद कुल आर्थिकी का महज 2 फीसदी रखी गई। लिहाजा, जब कोविड-19 की सुनामी ने देश को हिला डाला और राज्य सरकारों की ओर से ज्यादा आपातकालीन मांग होने लगी, खासकर ऑक्सीजन, वेंटिलेटर, वैक्सीन इत्यादि की, तो वे केंद्र के पास नहीं थे, क्योंकि वक्त रहते राष्ट्रीय योजना नहीं बनी। हमारे पास पर्याप्त वैक्सीन थी, लेकिन विदेश मंत्रालय की महत्वाकांक्षी 'वैक्सीन-डिप्लोमेसी' से अभिभूत केंद्र सरकार ने बहुत-सा हिस्सा विदेशी मुल्कों को दान दे दिया। कोरोना-प्रबंधन पर बढ़िया करने के दावे और जीत के दंभ के चलते हम अन्य देशों की मदद पर आश्रित हैं। कुछ देश पहले मदद को तैयार नहीं थे लेकिन स्थिति की विकरालता देखकर अब सहायता भेजने लगे हैं। इस विफलता हेतु विदेशी मीडिया ने हमारे राजनीतिक नेतृत्व, खासकर प्रधानमंत्री, को आड़े हाथों लिया। प्रतिष्ठित मीडिया द्वारा की गई कवरेज को झुठलाने का कोई फायदा नहीं होगा, बेशक उनके आगे कोर्निश करने की जरूरत नहीं लेकिन बिला वजह नकारना भी ठीक नहीं।

इसी बीच, कोविड महामारी घटने के बजाय लगातार विकराल होती जा रही है। हमें सबक लेकर सुधार के कदम उठाने होंगे क्योंकि अब तीसरी-चौथी लहर आने की बात है। हम कठिन स्थिति का सामना कर रहे हैं, हमें तैयारियों को बढ़ाना होगा। जो कुछ हम खुद बना सकते हैं या आयात कर सकते हैं, जहां स्टाफ बढ़ाना हो, वह किया जाए। केंद्र और राज्य सरकारों को आपदा को अवसर की तरह लेकर स्वास्थ्य तंत्र को सुधारना चाहिए। गरीबों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा और बच्चों हेतु अच्छी शिक्षा की दरकार रही है। इस ध्येय की पूर्ति के लिए केंद्र को अपनी छवि चमकाने जैसे काम, मसलन, विशाल मूर्तियां बनाने और पार्लियामेंट विस्टा जैसे गैरजरूरी फिजूलखर्ची रोककर, राज्यों को खुलकर आर्थिक मदद देनी चाहिए, क्योंकि युद्धकालीन संकट जैसी महामारी में इन योजनाओं का कोई फौरी लाभ नहीं है।

रहा सवाल जिम्मेवारी व जवाबदेही तय करने का, मैंने अभी तक इस बारे में कहीं नहीं पढ़ा है। जबकि यह बहुत महत्वपूर्ण विषय है, क्योंकि महामारी ने देश के लाखों नागरिकों की जानें लील ली हैं और लाखों-लाख लोगों का शहरों के अस्पतालों में भर्ती होने का आंकड़ा है (ग्रामीण इलाके का डाटा बहुत कम उपलब्ध है)। मैंने अभी तक किसी बड़े राजनेता की अस्पताल या प्रभावित इलाके में दौरे की तस्वीर भी नहीं देखी है। चूंकि इन 'माननीयों' में अधिकांश खुद को तरजीह पर वैक्सीन के दोनों टीके लगवाकर पूरी तरह महफूज़ हो चुके हैं, लिहाजा पीपीई किट और मास्क पहनकर अस्पताल का दौरा तो कर ही सकते हैं, इससे वहां सेवा में लगे स्टाफ और मरीजों का मनोबल बढ़ता है। लेकिन हमें डॉ. मनमोहन सिंह के पत्र के उत्तर में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री की भोंडी प्रतिक्रिया के सिवा कुछ देखने को नहीं मिला। जब पिछले साल स्थिति कुछ बेहतर थी तब स्वास्थ्य मंत्रालय के नौकरशाह रोजाना टेलीविज़न पर कोविड की ताजा स्थिति के बारे में बताया करते थे। लेकिन दूसरी लहर में वे चेहरे दिखाई नहीं दिए, खासकर अग्रिम पंक्ति में, जहां हमें सड़कों-अस्पतालों-श्मशान घाट के बाद सड़कों पर बिलबिलाते नागरिक या शवों की पंक्ति देखने को मिल रही है। यहां तक कि स्वास्थ्य मंत्री, जो स्वयं एक डॉक्टर हैं, वे भी कम ही दिखाई दिए हैं। मुझे उम्मीद थी कि सभी सांसद अपने क्षेत्र में नागरिकों के भलाई-कार्यों की स्वयं निगरानी करेंगे।

इसी तरह, राज्यों की जिम्मेवारी और भी ज्यादा है। अब तक तो मुख्यमंत्री-विधायकों को अपने क्षेत्र में काम करते दिखाई देना चाहिए था। सचिवालय में बैठने वाले नौकरशाह, जिलाधीश, पुलिस अधीक्षकों को भी कार्यक्षेत्र में दिखाई देना चाहिए था। आखिर वे अपने राजकीय या जिला मुख्यालयों में बैठकर कर क्या रहे हैं? यदि ये सब इस मुश्किल घड़ी में लोगों के बीच खड़े हुए दिखाई नहीं दे रहे तो क्या चुनाव के वक्त ही नमूदार होंगे? जिस एक बड़े तबके का इस्तेमाल इस मुसीबतज़दा वक्त में किया जाना लाभदायक रहता, वह है, सभी राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं का इकट्ठा होकर जनसेवा में लगना। कहने को भाजपा-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पास सबसे बड़ा, अनुशासित काडर है, जिसका बखूबी उपयोग हो सकता था, अफसोस, उनकी सेवाएं पश्चिम बंगाल के चुनाव में लेने को तरजीह दी गई। यही बात अन्य दलों पर भी लागू है।

आखिर में, केंद्र और राज्य सरकारों की जिम्मेवारी तय की जाए, खासकर संबंधित विभाग से जुड़े नौकरशाहों और राजनेताओं की और कोताही करने वालों के खिलाफ कार्रवाई हो। सभी को संदेश दिया जाए कि 'सब चलता है वाला रवैया' और ज्यादा स्वीकार्य नहीं है, काम न करने वालों को निकाल बाहर किया जाए। केंद्र और राज्य सरकारों की आपराधिक गलती के कारण ही इतने बड़ी स्तर की त्रासदी देश भुगत रहा है और इस चूक के लिए उनको अदालत में घसीटा जाना बनता है। जहां तक देश के नेतृत्व का संबंध है, इस बारे में शहाब ज़ाफरी का शे'र याद आ रहा है

'तू इधर-उधर की न बात कर,
यह बता कि काफिला क्यूं लुटा
मुझे रहज़नों से गिला नहीं
तेरी रहबरी का सवाल है!'

-गुरबचन जगत

आपका राशिफल 06 मई

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)
शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। आत्मचिंतन करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। "आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

फिल्म वर्ग पहेली - 5426

बायें से दायें:-
१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी?-२
१२. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली लक्कीअली, गौरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरूख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, रवीना की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज वाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था?-२
२७. फिल्म 'बँबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नसीर, अतुल, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-
१. 'शरारत' में अभिषेक की नायिका?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-३
११. 'दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, विजयेंद्र, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलूजा, किरण की 'चंदा की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चाँद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉक्सर भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चंपई धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२६. 'आँखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कसूर' में आफताब शिवदासानी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 5425

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 5946

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -5945 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

रोचक जानकारी

धूल भरी आंधी में देख पाते हैं ऊंट और एक साथ दो दिशाओं में देख सकते हैं गिरगिट

सोचो, अगर आंखें न होतीं तो क्या हम देख पाते? हम इनसान ही क्यों, पशु-पक्षियों के लिए भी तो जरूरी है आंखें। पेड-पौधे, पहाड, नदियां, जंगल, समुद्र, बादल, आकाश सब कुछ हम अपनी आंखों से ही देखते हैं और इनसे जुडे अनुभवों को महसूस करते हैं। आंख, हम सब के लिए खास है। धरती में जितने भी जीव-जंतु हैं, सबकी आंखों की बनावट कुछ अलग है, चाहे पानी में रहने वाले जीव हों या मरुस्थल में रहने वाले जीव। अगर तुम भी आंखों के बारे में कुछ अनोखी बातों को जानोगे, तो तुम्हें लगेगा कि ये दुनिया की सबसे अद्भुत चीज हैं। तो चलो आज हम आंखों के बारे में तुम्हें ऐसी ही कुछ दिलचस्प चीजें बताएंगे, जिन्हें जान कर तुम हैरान हो जाओगे।ऊंट किस तरह रेत की आंधी में भी साफ-साफ देख लेता है? किस तरह गिरगिट अपने शिकार पर चौकन्नी नजर बनाए रखता है? बिना गर्दन घुमाए पीछे की तरफ कैसे देख लेता है उल्लू? इन सब का राज छिपा है इनकी अनोखी आंखों में। तो क्या ये सारे जानवर आंखों से मैजिक करते हैं!

धूल भरी आंधी में भी आराम से देख पाते हैं ऊंटअब जरा सोचो कि रेत भरी आंधी में हमारी आंखें तो बंद हो जाती हैं, फिर ऊंट कैसे आसानी से चलते रहते हैं। क्यों उन्हें चलने में परेशानी नहीं होती? दरअसल ऊंट की आंखों में ऐसे रक्षात्मक कवच होते हैं, जो रेगिस्तान के आंधी-तूफान में भी उसे साफ देखने में मदद करते हैं। आसपास कितनी ही धूल भरी आंधी क्यों न चल रही हो, इससे ऊंट की रफ्तार में कोई फर्क नहीं आता। इसकी वजह है कि ऊंट की लंबी आईलैशेज, जो डस्टर की तरह काम करती हैं और सामने आने वाली धूल को साफ करती जाती हैं। आईलैशेज भी दो आईलिड्स यानी पलकों से जुडी होती हैं, जो धूल को हटाने का काम करती हैं। खास बात यह है कि ऊंट की आंखें किनारे-किनारे से खुलती हैं, ना कि ऊपर-नीचे। अपनी इसी खूबी की वजह से तेज हवाओं के बीच, जब रेत बहुत ज्यादा उड रही होती है, रेगिस्तान का यह जहाज पूरी शान से आगे बढता चला जाता है।

अंधेरे में कैसे देख लेता है उल्लू उल्लू दिन की बजाय रात में बेहतर देख पाता है। जानते हो क्यों? असल में उल्लू की आंखों की रेटिना में ढेर सारे लाइट सेंसिटिव रॉड सेल्स होते हैं, जो अंधेरे में देखने में मदद करते हैं। (हमारी आंखों के अंदर रॉड्स और कोन्स होते हैं। रॉड्स, जो देखने की क्षमता रखते हैं, अंधेरे में अच्छे से काम करते हैं, जबकि कोन्स जो रंग की पहचानने की क्षमता रखते हैं, उजाले में ही सही ढंग से काम करते हैं।) उल्लू की आंखों में कोन्स कम, रॉड ज्यादा होते हैं, इसलिए ये अंधरे में अच्छे से देख पाते हैं। उल्लू किसी भी वस्तु की थ्री-डी इमेज भी देख सकता है। यानी यह किसी वस्तु की लंबाई, चौ?ाई और ऊंचाई, तीनों देख सकता है।

चींटी की कितनी आंखें? वैसे तो चींटी की दो आंखें होती हैं, लेकिन होती खास हैं। उनकी आंखें एक साथ कई तरफ देख सकती हैं। चींटी के आंख को यौगिक आंख कहा जाता है, क्योंकि इनमें नन्हें-नन्हे ढेरो लेंस होते हैं।

इससे लाभ ये होता है कि चींटी हल्की से हल्की हलचल को भी देख लेती है। इन दो आंखों के अलावा अधिकतर चींटियों की नन्ही-नन्ही तीन आंखें और भी होती हैं, जो उनके सिर के ऊपरी हिस्से में त्रिकोण के रूप में स्थित होती हैं। इनका काम रोशनी के स्तर को पहचानना होता है। कुछ चींटियां ऐसी भी होती हैं, जो बिल्कुल नहीं देख सकतीं।

बकरी की चौकन्नी नजरें बकरियां देखने में सीधी-सादी और कमजोर लगती हो और तुम्हें उनके आसपास जाने में डर नहीं लगता हो। लेकिन क्या तुम्हें पता है कि उनकी आंखें बहुत तेज होती है। जंगल में घूमने वाले शिकारियों जैसी ही चौकन्नी और तेज। अगर तुम बकरियों की आंखों को ध्यान से देखोगे तो पाओगे कि उनके प्यूपिल गोल नहीं, बल्कि हल्के आयताकार होते हैं। इस खूबी की वजह से बकरियां 320 डिग्री तक आसानी से देख पाती हैं। इसलिए वे अपने आसपास किसी तरह के खतरे को भी तुरंत भांप लेती हैं।

विचार प्रवाह

10 साल के हो जाओ तो मां की उंगली पकड़कर चलना छोड़ दो। 20 साल के हो जाओ तो खिलौनों से खेलना छोड़ दो। 30 सालके हो जाओ तो इधर उधर घुमाना छोड़ दो। 40 साल के हो जाओ तो रात में खाना छोड़ दो। 50 साल के हो जाओ तो होटल में जाना छोड़ दो। 60 साल के हो जाओ तो व्यापार करना छोड़ दो। 70 साल के हो जाओ तो बिस्तर पर सोना छोड़ दो। 80 साल के हो जाओ तो लस्सी पीना छोड़ दो। 90 साल के हो जाओ तो और जीने की आशा छोड़ दो। 100 साल के हो जाओ तो दुनिया को ही छोड़ दो।

मुनिश्री तरुणसागर जी महाराज

शब्द पहेली - 7008

बाएँ से दाएँ
1. नमाज से पहले पढ़ी जानेवाली आयत -3
3. तहजीब, शिष्टता-3
5. पिता के पिता-2
6. स्मृति-2
8. बारिश, बरखा-4
11. शांति, सन्नाटा-3
13. गिरवी रखी वस्तु-3
14. सूक्ष्म कण -2
15. बारबाला, मधुबाला
16. समझौता-3
18. बहने का भाव-3
20. बारिश का महीना-3
22. मां, मम्मी, मदर-2
24. श्रवणेंद्रिय-2
25. अंधकार, अंधेरा-3
26. अनुकृति-3

ऊपर से नीचे
1. नाज, नखरा, चौंचला-2
2. भाग्य, किस्मत-3
3. अचानक, अकस्मात -3
4. देह, बदन-2
5. बिजली, विद्युत रश्मि-3
7. दबाना, कुचलना-3
9. घोड़ागाड़ी-3
10. जुगत, युक्ति-4
12. कारण-3
16. कृष्ण का गरीब मित्र-3
17. पैंतरा, शर्त-2
19. भार-3
20. बहादुरी-3
21. नेत्र, आंख-3
23. पितामह-2
24. समयगति-2

शब्द पहेली - 7007 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

थाईलैंड से मंगवाए आठ क्रायोजेनिक टैंकर, अब नहीं होगी ऑक्सीजन परिवहन में दिक्कत

भोपाल। प्रदेश सरकार के पास ऑक्सीजन के परिवहन के लिए टैंकरों की कमी पड रही थी। विगत दिनों नवदुनिया ने यह खबर प्रमुखता से प्रकाशित की थी। अब इसमें राहत मिलने की उम्मीद है। सरकार ने आइनॉक्स एयर प्रोडक्ट के जरिए थाईलैंड से 8 क्रायोजेनिक टैंकर मंगवाए है। इनके आने से ऑक्सीजन की सप्लाई की जाएगी। यह टैंकर देश की 45 से ज्यादा ऑक्सीजन उत्पादन कंपनियों से मप्र को ऑक्सीजन उपलब्ध कराएंगे। हालांकि, मप्र में जब बाबई में 200 मीट्रिक टन ऑक्सीजन उत्पादन वाला प्लांट बनकर तैयार हो जाएगा, तो बाहर से ऑक्सीजन मंगवाने की जरूरत नहीं पडेगी। बता दें कि क्रायोजेनिक टैंकर एक विशेष तकनीक से बनाए जाते हैं, जो कि टैंकर के अंदर की गैस बाहरी तापमान के कारण प्रभावित नहीं होने देते हैं। इन टैंकरों में लिक्विड ऑक्सीजन, लिक्विड हाइड्रोजन, नाइट्रोजन, हीलियम आदि का परिवहन किया जा सकता है। ऑक्सीजन को टैंकर में बहुत कम तापमान (माइनस डिग्री) पर रखा जाता है। इस टैंकर में दो परतें होती हैं। अंदर वाली परत में लिक्विड ऑक्सीजन होती है। दोनों परतों के बीच निर्वात जैसी स्थिति रखी जाती है, ताकि बाहर के वातावरण की गर्मी गैस तक न पहुंच सके।

कैसे लिक्विड ऑक्सीजन को गैस में बदला जाता है

लिक्विड ऑक्सीजन को गैस के रूप में बदलने के लिए वाष्पीकरण की तकनीक अपनाई जाती है। इसके लिए ऑक्सीजन प्लांट में उपकरण होते हैं। जैसे ही तापमान बढ़ता है, लिक्विड ऑक्सीजन गैस के रूप में बदलने लगती है। इसे सिलिंडर में भरने के लिए प्रेशर तकनीक अपनाई जाती है। छोटे सिलिंडर में कम दबाव तथा बड़े सिलिंडर में अधि दबाव से गैस भरी जाती है।

मध्य प्रदेश को मिले रेमडेसिविर के 29 हजार इंजेक्शन

भोपाल । कोरोना संक्रमण के इलाज में उपयोगी बताए जा रहे रेमडेसिविर इंजेक्शन की कमी के बीच राहत की बड़ी खबर है कि मंगलवार को प्रदेश को बड़ी संख्या में इनकी आपूर्ति हुई। दवा कंपनियों ने प्रदेश को 29598 रेमडेसिविर इंजेक्शन उपलब्ध कराए हैं। इनमें से दस हजार इंजेक्शन सरकार को दिए गए हैं, बाकी निजी अस्पतालों को उपलब्ध कराए गए। प्रदेश में सात कंपनियां रेमडेसिविर की आपूर्ति कर रही हैं। अभी तक दो लाख 39 हजार 954 इंजेक्शन मिले थे। मंगलवार को हैथ्रो कंपनी द्वारा 13698 इंजेक्शन, डॉ. रेड्डी द्वारा 900 इंजेक्शन, जुबलिएंट द्वारा 5000 इंजेक्शन की आपूर्ति निजी अस्पतालों के लिए की गई। वहीं, मायलान कंपनी द्वारा सरकारी क्षेत्र के अस्पतालों के लिए 10,000 इंजेक्शन दिए गए हैं।

ऑक्सीजन के चार टैंकर आए

मंगलवार को ट्रेन के माध्यम से लिक्विड ऑक्सीजन के चार टैंकर आए हैं। चार टैंकर विमानों के माध्यम से रांची भेजे गए हैं। शासन की ओर से बताया गया है कि ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ऑक्सीजन निर्माता कंपनियों और वितरकों से निरंतर संपर्क किया जा रहा है। पूर्व से स्वीकृत टैंकरों के अतिरिक्त टैंकरों की उपलब्धता के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

भोपाल। वातावरण में नमी कम होने से बादल छंटने लगे हैं। इससे मध्य प्रदेश में अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी होने लगी है। इसी क्रम में मंगलवार को राजधानी भोपाल में अधिकतम तापमान 40.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सोमवार के अधिकतम तापमान के मुकाबले पांच डिग्रीसे. अधिक रहा। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक पूर्वी मप्र में नमी बरकरार रहने के कारण बुधवार को जबलपुर, शहडोल संभाग के जिलों में कहीं-कहीं तेज हवाएं चलने के साथ ही बौछारें पड़ सकती हैं। शेष इलाकों में मौसम

दिन का तापमान बढ़ा, दो दिन बाद फिर बारिश होने के आसार

शुष्क रहेगा। हालांकि शुक्रवार से एक बार फिर प्रदेश के कुछ इलाकों में गरज-चमक के साथ बारिश होने की भी संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक मंगलवार को प्रदेश के लगभग सभी जिलों में तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। विशेषकर भोपाल, ग्वालियर में तापमान काफी बढ़ा। राजधानी में सोमवार को अधिकतम तापमान 35.3 डिग्रीसे. दर्ज किया गया था। जो सामान्य से पांच डिग्रीसे. कम था। मंगलवार को अधिकतम तापमान पांच डिग्रीसे. उछलकर 40.3 डिग्रीसे. तक जा पहुंचा। न्यूनतम तापमान 21.4 डिग्रीसे. रिकार्ड किया गया। यह सामान्य से चार डिग्रीसे.कम रहा।

उत्तर प्रदेश पर बना सिस्टम कमजोर पड़ा

मौसम विज्ञानी पीके साहा ने बताया कि वर्तमान पश्चिमी उत्तर प्रदेश पर एक ऊपरी हवा का चक्रवात बना हुआ है। इस चक्रवात से लेकर असम तक एक द्रोणिका लाइन (ट्रफ) बनी हुई है। हालांकि यह सिस्टम कमजोर पड़ चुका है। इस वजह से इसके प्रभाव से पश्चिमी उत्तर प्रदेश से लगे मप्र के पूर्वी इलाके के जबलपुर, शहडोल संभाग के जिलों में बरसात हो रही है। इन क्षेत्रों में बुधवार को भी बारिश होने के आसार हैं। शेष क्षेत्रों में मौसम शुष्क बना रहेगा। आंशिक बादल बने रहने के बाद भी तापमान में बढ़ोतरी होगी। साहा के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में एक कम दबाव का क्षेत्र बनने के संकेत मिले हैं। इस वजह से नमी आने के कारण शुक्रवार से जबलपुर, शहडोल, भोपाल, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) संभाग के जिलों में फिर बरसात हो सकती है।

26 को रहेगा साल का पहला चंद्रग्रहण, इसके बाद थमेगी कोरोना की रफ्तार

भोपाल । मई माह ग्रहों और ज्योतिष के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। पंड़ित व ज्योतिषों के अनुसार इस माह छह ग्रह जहां अपनी राशियां बदलेंगे। वहीं साल का पहला चद्रग्रहण भी रहेगा। इसके चलते देश व प्रदेश में काफी उथल-पुथल की स्थिति बनेगी। चंद्रग्रहण के बाद यानी 26 मई के बाद देश व प्रदेश से कोरोना की रफ्तार थमेंगी। मां चामुंडा दरबार के पुजारी रामजीवन दुबे ने बताया कि एक तो इस माह चंद्र ग्रहण भी पड़ रहा है। जो कि वृश्चिक राशि में पड़ेगा और दूसरी ओर 6 ग्रहों का राशि परिवर्तन भी होने जा रहा है। महाभारत के समय भी ऐसे योग बने थे। इसलिए भी इस वर्ष को अहम माना जा रहा है। ज्योतिष विनोद रावत के ने बताया सबसे पहले बुध्दि के राजा और करियर के संचालक माने जाने वाले बुध ग्रह पिछले सप्ताह मेष से वृष राशि में चले गए। उसके बाद चार मई को प्यार और सौंदर्य के कारक शुक्रदेव अपनी ही राशि वृष में संचार करेंगे। उसके बाद 14 मई को सम्मान के देवता सूर्यदेव वृष राशि में आएंगे। फिर 23 मई को न्याय के देवता कहलाने वाले शनि देव वक्री चाल से चलना आरंभ करेंगे। 26 मई को बुध वृष से निकलकर मिथुन में आएंगे। उसके बाद 28 मई को शुक्र वृष से निकलकर मिथुन में आएंगे। इसके साथ ही 26 मई को चंद्रग्रहण होने से ज्योतिष के लिहाज से काफी उथल-पुथल हो सकती है। इन सभी बदलावों से इन छह राशियों के लोगों को विशेष लाभ प्राप्त होने वाला है।

संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर शिशु कक्ष का निर्माण अटका

भोपाल। संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन पर शिशु आहार कक्ष के निर्माण की योजना कोरोना संकट के कारण अटक गई है। इसके निर्माण के लिए विधायक रामेश्वर शर्मा ने विधायक निधि से राशि देने की पेशकश की थी। गौरतलब है कि कुछ माह पूर्व विधानसभा के सामयिक अध्यक्ष के रूप में रामेश्वर शर्मा इसका भूमिपूजन भी करने वाले थे, लेकिन तब रेलवे ने इसकी अनुमति नहीं दी थी। इस कारण अंतिम समय में कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया था। बताया जाता है कि सांसद प्रज्ञासिंह ठाकुर नहीं चाहती थीं कि उनकी सहमति के बिना स्टेशन पर कोई काम हो। हालांकि रेल प्रशासन ने कार्यक्रम निरस्त होने का कारण अनुमति नहीं लेना बताया था। अब कोरोना संकट के कारण यह काम खटाई में पड़ गया नजर आ रहा है।

कुर्सियां लगवाने की घोषणा भी की थी

रामेश्वर शर्मा ने स्थानीय विधायक होने के नाते स्टेशन पर यात्रियों के बैठने के लिए कुर्सियां लगवाने की घोषणा काफी समय पहले की थी। स्टेशन पर शेड विस्तार एवं बोगी गाइडेंस लगाने के बाद यहां महिलाओं के लिए अलग शिशु आहार कक्ष की जरूरत महसूस की जा रही थी। दो बड़े नेताओं के बीच मतभेद के कारण रेल प्रशासन अब कह रहा है कि शिशु आहार कक्ष की फिलहाल जरूरत नहीं है। उल्लेखनीय है कि संत हिरदाराम नगर स्टेशन के सुंदरीकरण के लिए मानव सेवा के प्रतीक संत हिरदारामजी के शिष्यों ने भी काफी काम कराया है। यदि स्टेशन पर बैठने के लिए स्टील की कुर्सियां एवं शिशु आहार कक्ष बनता है, तो यात्रियों को सुविधा हो सकती है।

प्रदेश के 56 बीएड कॉलेजों को आठ 8 तक ऑनलाइन देनी होगी जानकारी

भोपाल। आगामी शैक्षणिक सत्र (2021-22) में दाखिला हेतु प्रदेश के 647 कॉलेजों में से 591 ने ही अपनी जानकारी ऑनलाइन भेजी है। वहीं अब भी 56 कॉलेजों ने जानकारी नहीं दी है। अभी तक 591 कॉलेज प्रवेश देने के लिए आगे आए हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने बीएड कालेजों में प्रवेश कराने की व्यवस्था को शुरू कर दिया है। सूबे में बीएड के करीब 647 कालेजों ने एनसीटीई से मान्यता ले रखी है। अभी तक आगामी सत्र 2021-22 में प्रवेश कराने के लिए विभाग तक 591 कालेज ही पहुंच सके हैं। करीब 56 कालेज काउंसलिंग में भागीदारी नहीं करेंगे। इससे उनकी सीटें सूनी होने पर जीरो प्रवेश रहेगा।गौरतलब है कि इस वक?त कोरोना संक्रमण तेजी से प्रदेश पर हावी हो रहा है। इसलिए विभाग ने अपनी सभी व्यवस्थाओं को ऑनलाइन करने का निर्णय लिया है। इसके चलते विभाग ने प्रदेश के सभी बीएड कॉलेजों में प्रवेश कराने संबंधित सभी गतिविधियों को ऑनलाइन कर दिया है। विभाग ने कॉलेजों को आगामी सत्र 2021-22 में प्रवेश कराने हेतु ऑनलाइन प्रक्रिया अपनाते हुए उनसे आठ मई तक सभी जानकारी पोर्टल के माध्यम से भेजने के निर्देश दिए थे। इसमें अब तक प्रदेश 591 कालेजों ने ही भागीदारी की है। अभी भी 56 कॉलेजों ने अपनी तरफ से आगामी सत्र में प्रवेश देने के लिए कोई संकेत नहीं दिए हैं, इसलिए विभाग ने उन्हें आठ मई तक अपने लॉगिन पासवर्ड से दस्तावेज जमा करने का एक मौका और दिया है। इसके बाद विभाग आगामी सत्र में कॉलेजों को शामिल करने की प्रक्रिया को पूर्ण करेगा।

विवि को सौंपी जिम्मेदारी

अभी तक विभाग कॉलेजों के समस्त प्रकार के दस्तावेजों को देखने के लिए भौतिक तौर पर दस्तावेजों का परीक्षण कमेटी द्वारा कराता था, लेकिन कोरोना संक्रमण को देखते हुए विभाग ने ऑनलाइन प्रक्रिया को अपनाया है। इसके चलते कालेजों द्वारा पोर्टल पर दी गई जानकारी को विवि पहले संबद्धता देते हुए ओके करेगा। इसके बाद विभाग कॉलेजों के एनसीटीई से कोर्स की मान्यता और प्रवेश एवं फीस विनियामक समिति द्वारा फीस निर्धारित कराने के पत्र का परीक्षण करेगा। इसके बाद उन्हें काउंसिलिंग में शामिल किया जाएगा।

संत हिरदाराम नगर में वैक्सीनेशन सेंटर पर लगी भीड़, कोरोना फैलने का खतरा

भोपाल । संत हिरदाराम नगर के वैक्सीनेशन सेंटर से कोरोना संक्रमण फैलने का खतरा पैदा हो गया है। यहां बुधवार को टीके का दूसरा डोज़ लगवाने के लिए एक साथ भीड़ उमड़ पड़ी, लोगों ने शारीरिक दूरी का पालन भी नहीं किया इससे कम्युनिटी स्प्रेड का खतरा बढ़ गया है। जसलोक स्कूल में बुधवार को सुबह एक साथ भीड़ एकत्रित हो गई। यहां पर सिविल अस्पताल का स्टाफ टीके लगाने पहुंचा है। कई लोगों ने पहले ही रजिस्ट्रेशन करा दिया था उसके बाद भी उन्हें टीके लगाने में खासी मशक्कत का सामना करना पड़ा। कई बुजुर्गों को परेशान होना पड़ा। बुजुर्ग स्वजन को टीके लगाने पहुंची कीर्ति मिश्रा ने बताया कि कर्मचारी ध्यान नहीं दे रहे हैं। रजिस्ट्रेशन की पर्ची दिखाने के बाद भी टीका नहीं लगाया जा रहा है। जसलोक स्कूल में पहुंचे स्वास्थ्य विभाग के अमले के अनुसार उनके पास रजिस्ट्रेशन के लिए केवल एक ही कम्प्यूटर है इस वजह से दिक्कत आ रही है।

मध्य प्रदेश में कल से हो सकती है जूडा की हड़ताल

भोपाल। मानदेय बढ़ाने समेत अन्य मांगों को लेकर जूनियर डाक्टर्स एसोसिएशन ने प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी है। एसोसिएशन ने गुरुवार से इमरजेंसी सेवाएं और दूसरे दिन कोरोना से जुड़ी सेवाएं बंद करने की भी चेतावनी दी है। इससे मरीजों की फजीहत होगी। सेंट्रल जूडा के प्रेसिडेंट डॉ. अरविंद मीणा ने कहा कि 12 अप्रैल को चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग द्वारा मांगे पूरी करने का आश्वासन दिए जाने के बाद उन्होंने आंदोलन स्थगित कर दिया था, लेकिन 3 हफ्ते बाद भी उनकी मांगों पर कोई निर्णय नहीं हुआ है। बता दें की इसी महीने प्रदेश के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों में जूनियर डाक्टरों ने समानांतर ओपीडी चला कर आंदोलन किया था।

यह हैं मांगे

- मेडिकल कालेज से संबद्ध अस्पतालों में कोरोना के सिर्फ गंभीर मरीजों का ही इलाज किया जाए। जिससे चिकित्सा छात्रों की पढ़ाई प्रभावित न हो।
- जूनियर डाक्टरों ने पिछले 1 साल में अपनी सारी परेशानी भूल कर मरीजों की सेवा की है। लिहाजा उनकी एक साल की शिक्षण शुल्क माफ की जाए।
- जूनियर डाक्टरों का मानदेय पिछले 3 साल से नहीं बढ़ा है, जबकि मुख्यमंत्री ने हर साल 6 परसेंट बढ़ाने की बात कही थी। 3 साल के मिलाकर 18 फीसद मानदेय बढ़ाया जाए।
- कोरोना के इलाज में लगे डाक्टरों को सरकार ने 10 हजार रुपए अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि देने की बात कही थी। एक साल बाद भी यह राशि नहीं मिली है।
- जूनियर डाक्टरों के एक ऐसा प्रशस्ति पत्र दिया जाए भविष्य में जब भी वह किसी विभाग में सेवा के लिए आवेदन करें तो उन्हें 10 नंबर अतिरिक्त मिले।

पुलिस उप अधीक्षक के रूप में मिलेंगे 160 अनुभवी अधिकारी

भोपाल । पुलिस महकमे में उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) स्तर पर उच्च पद के प्रभार देने संबंधी अधिनियम में संशोधन के बाद प्रदेश को इस पद पर 160 से अधिक अनुभवी अधिकारी मिलेंगे। पदोन्नति नहीं होने से ये खाली थे। बाकी पद सीधी भर्ती से भरे जाएंगे। निरीक्षक स्तर पर लंबे समय से काम कर रहे इतने अधिकारियों के डीएसपी बनने से उनके अनुभव का लाभ जिलों को मिलेगा। मालूम हो, डीएसपी के पद पर नियुक्ति पदोन्नति और सीधी भर्ती दोनों तरह से होती है। इस पद के अधिकारियों की संख्या बढ़ने से एट्रोसिटी, नवविवाहिता की मौत जैसे उच्च स्तरीय जांच के मामलों में भी तेजी आएगी। प्रदेश में डीएसपी के 344 पद रिक्त हैं। 160 पदों पर प्रभार दिए जाने के बाद बाकी के पद सीधी भर्ती से भरे जाएंगे। बाकी के पदों पर सीधी भर्ती से नियुक्ति होगी। इसकी भी प्रक्रिया जारी है। उच्च अधिकारियों का कहना है कि इस पद पर प्रभार देने की प्रक्रिया मार्च से शुरू की गई थी। शासकीय प्रक्रिया के चलते इसमें विलंब हुआ। अब पात्र अधिकारियों का चयन कर उनके नाम गृह विभाग को भेजे जाएंगे, जहां से प्रभार देने के आदेश जारी होंगे। बतौर निरीक्षक छह साल की नौकरी के बाद पदोन्नति के माध्यम से डीएसपी बनने की पात्रता मिलती है। इसमें सर्विस रिकॉर्ड का भी महत्व होता है। लगातार बेहतर काम करने वालों को प्राथमिकता दी जाती है। खराब आचरण के चलते पदोन्नति से वंचित भी किया जा सकता है। जानकारी के अनुसार, प्रदेश में एक हजार से अधिक निरीक्षक छह साल की सेवा पूरी कर चुके हैं। रिक्त पद कम होने से प्रभार के चयन में कड़े मापदंड अपनाए जाएंगे। संत हिरदाराम नगर में वैक्सीनेशन सेंटर पर लगी भीड़, कोरोना फैलने का खतरा

एसएएफ के भोपाल जोन में हुई पदोन्नति

उधर, विशेष सशस्त्र बल (एसएएफ) के भोपाल जोन में प्रधान आरक्षक को सहायक उप निरीक्षक का प्रभार देने से संबंधित सूची जारी कर दी गई है। एसएएफ के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मिलिंद कानस्कर ने इसकी पुष्टि की है। बताया गया है कि इस सूची में उच्च पद का प्रभार लेने वाले पुलिसकर्मियों को भोपाल जोन में ही समायोजित करने का प्रयास किया जा रहा है। मालूम हो, भोपाल जोन में उच्च पद का प्रभार नहीं मिलने संबंधी दिक्कत की खबर नईदुनिया ने प्रमुखता से प्रकाशित की थी।

संकट प्रभु अवई निवारो

जबलपुर। हिंदू महासभा जवाली पुरम, कमला नेहरू नगर व्यापारी संघ, संपूर्ण हिंदू श्रंखला चैरिटेबल, ब्राह्मण परशुराम ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में कोविड-19 वायरस महामारी दूर करने के लिए जय मातेश्वरी मंदिर , प्रभु श्री हनुमान संकट मोचन पाठ, भोलेनाथ पाठ, संपूर्ण विश्व पटल वह संस्कारधानी निरोग हेतु 1 सप्ताह तक लगातार किया जाएगा पंडित धनंजय वाजपेई जी ने बताया पाठ होने पर भगवान परशुराम धाम ग्वारीघाट में पूजन किया जाएगा , संपूर्ण हिंदू श्रंखला में पूज्य पंडित श्री अनिरुद्धाचार्य महाराज द्वारा वृंदावन धाम में शक्ति पाठ किया जा रहा है । पंडित अमित खम्परिया पंडित धनंजय बाजपेई डॉक्टर अरुण मिश्रा सुधाकर मिश्र बबलू पंडा श्रीमती मीरा दुबे यदुवंश मिश्रा सभी संस्कारधानी वासियों से अपील की है अपने अपने घरों में रात्रि कालीन संध्या पूजन में तुलसी का पूजन करते हुए पीपल बरगद नीम आदि में एक दीपक अवश्य जलाएं इस महामारी को रोकने के लिए भगवान से प्रार्थना करें ।वासुदेव कुटुंबकम को परिभाषित करते है आप सभी मुक्त पशुओं को जल एवं भोजन अवश्य दें। अपील है घर पर रहें सुरक्षित रहें।

कोरोना काल में सेवा भारती ने किया एम्बुलेंस सेवा का शुभारंभ

जबलपुर। आज जहाँ कोरोना काल में कई प्रकार की अत्यावश्यक सेवा की आवश्यकता है, वहीं एम्बुलेंस सेवा आज की प्राथमिकता है। मरीजों को सर्वाधिक परेशानी एम्बुलेंस न मिलने के कारण ही हो रहा है। इस कष्ट को सेवा भारती जबलपुर ने समझा और आज से अपनी एक एम्बुलेंस सेवा का शुभारंभ कर दिया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक श्री प्रवीण गुप्ता और सेवा भारती के प्रांत अध्यक्ष डॉ. बी. के. पांसे के शुभहस्ते केशव कुटी जबलपुर में पूजन कर एम्बुलेंस का शुभारम्भ किया गया। सेवा भारती के प्रांत संगठन मंत्री महेश सोनी ने बताया कि अभी यह सेवा केवल जबलपुर के लिए न्यूनतम शुल्क में मिलेगी इस अवसर पर भरत पटेल, विजय विश्वकर्मा, अनिल शर्मा यशवेंद्र ठगेले, ब्रजभूषण दुबे उपस्थित रहे।

6 महीने भी नही चला नव निर्मित प्लांटेशन का गेट

जम कर हो रहा है भ्रष्टाचार वन परी क्षेत्र तेंदूखेडा का मामला

तेंदूखेडा/दमोह-सरकार द्वारा लाखो रुपये खर्च करके प्लांटेशन लगाए जाते हैं।ताकि आम जनो को शुध्द आक्सीजन मिल सके।धरती पर हरयाली बनी रहे।धरती पर जगलों का रकबा बढाया जा रहा है जिससे वातावरण का संतुलन बना रहे।मगर तेंदूखेडा वन परिछेत्र के वीट गार्डो की लापरवाही जग जाहिर है।

ऐसी ही लापरवाही का एक मामला सामने आया है।वर्ष2020-21में 30हेक्टेयर में एक मिश्रित वृक्षारोपण ,महगवां खुर्द बीट के कक्ष क्रमांक PF96में होना सुनिश्चित हुया था।जिसमे काम चालू है।इस मे कुल बारह हजार पौधों की लगाया जाना है।उसके लिए चिन्हित जगह का घेराव करके उनमें गड्ढो का काम चालू है।इस निर्माण में बीट गार्ड ,एव सम्बन्धित अधिकारिओ द्वारा जमकर लीपा पोती करके अपने कर्तव्यों के साथ दलाली की है।इस प्लांटेशन में जो गेट लगा है वह अभी से टूट गया है।जिसकी कीमत स्टीमेट के अनुसार लगभग18000 रुपये है। मोके पर जाकर देखा तो पाया गया कि लोहे के गेट को तय मानकों के आधार पर नही बनाया गया है।गेट में जो लोहे के होल्फास लगे हुए हैं वे बहुत कम गेज एव निम्न कोटि के लगे हुए थे, जिससे वे वजन सह नही सके और टूट गए।और जिन कालमो के सहारे गेट खडा

2020-21वीय वर्ष के तहत हो रहा था निर्माण

किया गया है वे कालम तिरछे हो गए हैं।मोके पर जो तस्वीर है उसे देखने पर लगता है कि इस प्लांटेशन में जम कर भृस्टाचार किया गया है।कालम को देख कर लगता है कि धरती पर ही खडा कर दिया गया है।जो इस बारिश में गिर जाएगा,कालम में रेत गिट्टी एव सीमेन्ट लगाने में भी लीपा पोती दिख रही है।व्रत सेलवाडा में बन रहे मिश्रित पौधरोपण में बीट गार्ड एव डिप्टी रेंजर द्वारा लापरवाही की गई है।

इनका कहना है

वन परी छेत्र अधिकारी श्री मति रेखा पटेल, से पूछने पर उन्होंने बताया की विषय गम्भीर है मै अभी दिखवाती हू, ओर दोषी पाए जाने पर कार्यवाही भी होगी।

कुंडम में इंडियन बैंके के मैनेजर की कार्यप्रणाली पर विरोध जताया

कुंडम। इंडियन बैंक के शाखा प्रबंधक दिनेश चौधरी द्वारा बघराजी क्षेत्र की जनता को नहीं मिल रहा है सरकारी योजनाओं का लाभ और शासन-प्रशासन मोन बघराजी क्षेत्र पिपरिया टिकरिया पटना लेसर डबरा सनावल रोरिया कल्याणपुर एवं बघराजी के लोगों ने इंडियन बैंक के मैनेजर दिनेश चौधरी की कार्यप्रणाली पर बहुत बड़ा विरोध जताया है बैंक के खाताधारकों से अभद्र व्यवहार कर भटकाया जाता है बघराजी के व्यापारी भी शाखा प्रबंधक से रूस्ट सरकारी कर्मचारी शाखा प्रबंधक से परेशान ना समय पर कोई काम किया जाता सिर्फ भटकाया जाता है बघराजी के राकेश साहू जी देवीलाल साहू जी कुलदीप सिंह पटेल जी अरविंद तिवारी जी पांडे जी दीपक बर्मन सहित सैकड़ों लोगों ने मांग की है कि बघराजी इंडियन बैंक के शाखा प्रबंधक को तत्काल हटाया जाए अन्यथा हम अपने खाता यहां पर हटा लेंगे मजबूरी बस इंडियन बैंक की शाखा बघराजी मैं चला रहे है क्योंकि दूसरा कोई बैंक नहीं होने के कारण हमें बेहद ही परेशानी का सामना करना पड़ रहा है मैनेजर दिनेश चौधरी रोज रोज हमें भड़काता है खाता खोलने में आनाकानी करते हैं पैसा निकालने जाओ तो आनाकानी करते हैं जमा करने जाओ तो आनाकानी करते हैं सरकारी कर्मचारी अपने लाभ नहीं ले पा रहा है क्योंकि उन्हें डांट कर भगा दिया जाता है निराश्रित पेंशन के भटकाया जाता है जिससे ग्रामीण जन परेशान अनेक बार शिकायत करने के बाद भी शाखा प्रबंधक ऊपर कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है कोई को लोन का फार्म लेना है तो किसी को लोन की जानकारी लेना है तो शाखा प्रबंधक डांट कर भगा देता है सरकारी कर्मचारी अपने लोन लेने के लिए जाता है शाखा प्रबंधक अभद्र भाषाओं का प्रयोग करता है इकलौती बैंक होने का शाखा प्रबंधक नाजायज फायदा उठा रहा है जितने बघराजी क्षेत्र की जनता बेहद नाराज है कलेक्टर जबलपुर एवं इंडियन बैंक जबलपुर उच्चाधिकारियों से मांग की जा रही है कि इंडियन बैंक शाखा के मैनेजर दिनेश चौधरी को तत्काल यहां से हटाया जाए।

अज्ञात वाहन की टक्कर से दो युवक गंभीर, जबलपुर रेफर

गोटेगांव, यश भारत। गोटेगांव में अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। जिसके बाद युवकों को गंभीर हालत में गोटेगांव अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने उनका प्राथमिक इलाज कर उन्हें इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर कर दिया। युवकों के नाम पुरुषोत्तम कहार और तौफीक खान बताए जा रहे हैं जो कि पिपरिया से अपने घर वापस लौट रहे थे उसी समय अज्ञात वाहन ने पिपरिया तिराहा लाठ गांव रोड गांव के पास इन युवकों को टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। घायलों को इलाज के लिए भेजा गया है सूचना मिलने पर 108 के चालक पृथ्वीराज साहू और ई एम टी देवेंद्र नागवंशी मौके पर पहुंचे। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है।

आप आगे चलो, कारवां बन जाएगा

जबलपुर। कोविड के विरुद्ध युद्ध में सहयोग के लिए पाटन विधायक अजय विश्नोई ने रोगी कल्याण समिति पाटन को एक लाख का चेक तथा रोगी कल्याण समिति मझौली को भी एक लाख का चेक प्रदान किया। विधायक निधि से हटकर दी गई इस निधि के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। आज सुबह से अनेक लोग हजारों रुपए लेकर अस्पताल पहुंचने लगे हैं। इस प्रकार आज 50,000 रुपये से ज्यादा की राशि रोगी कल्याण समिति में एकत्र हो गई है। यह क्रम निरंतर चलता रहेगा। इस पर विधायक श्री विश्नोई ने तमाम सहयोगियों को हृदय से आभार प्रकट किया हैं। विधायक श्री विश्नोई ने कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा सहित समस्त अधिकारियों के साथ पाटन अस्पताल का निरीक्षण किया। साथ ही वे मझौली अस्पताल भी गए ।पाटन तथा मझौली अस्पताल में अगले एक सप्ताह में 40 से 50 ऑक्सीजन वाले बिस्तर तैयार हो जाएंगे तथा कोविड के मरीजों को एकदम जबलपुर भागने की आवश्यकता ना पड़े। इंद्राणा और बोरिया जैसे छोटे स्वास्थ्य केंद्रों में तत्कालीक ऑक्सीजन की सुविधा मरीजों को दिलाने के लिए श्री विश्नोई ने विधायक निधि से ऑक्सीजन कंसंट्रेटर खरीदने रेडक्रास को दस लाख रुपये दिए हैं। रोगी कल्याण समिति पाटन तथा रोगी कल्याण समिति मझौली को दवाइयों तथा अन्य उपकरण खरीदने विधायक निधि से पांच-पांच लाख रूपये दिए हैं ।पाटन विधायक श्री विश्नोई ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री द्वारा घोषित सस्ता अनाज शीघ्र ही पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाया जाए। गर्मी के मौसम में नल-जल योजनाओं तथा हैंडपंप सुधारने में और ट्रांसफार्मर बदलने में विलंब ना किया जाए। किल कोरोना अभियान की समीक्षा की गई। सभी गांव में स्वास्थ्य विभाग, राजस्व और पंचायत विभाग की सक्रियता पर संतोष व्यक्त किया गया। पाटन, कटंगी तथा मझौली के कोविड केयर सेंटर की व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया गया। उन्होंने अपील की है, कि जिनमें भी कोविड बीमारी के लक्षण हैं और उनके घर में परिवार से अलग रहने की व्यवस्था नहीं है। वे इन सेंटर में आकर रहे, उनके भोजन, पानी व दवाई की संपूर्ण व्यवस्था की जाएगी।

टीटीआर में स्थापित कोविड केयर सेंटर का निगमायुक्त संदीप जीआर ने किया निरीक्षण

जबलपुर। 4 टीटीआर में प्रशासन द्वारा स्थापित सौ बिस्तरों के कोविड केयर सेंटर का आज निगमायुक्त संदीप जी आर ने अधिकारियों के साथ पहुंचकर मुआयना किया एवं इस सेंटर में कोरोना संक्रमित मरीजों के लिए सभी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निगमायुक्त संदीप जी आर ने 4 टीटीआर में स्थापित सौ बिस्तरों के अस्पताल का निरीक्षण करते हुए यहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त करने के साथ ही दवाइयां मेडिकल स्टाफ सहित अन्य सुविधाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। निगमायुक्त श्री संदीप जी आर ने बताया कि 4 टीटीआर में सेना की जमीन पर प्रशासन द्वारा कोविड केयर सेंटर की स्थापना की गई है जिसमें कोरोना के एसिंप्टोमेटिक और माइल्ड मरीजों के इलाज की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि यहां इलाज, के साथ साथ खाने की सुविधा भी निःशुल्क है। इस अवसर पर उन्होंने चिकित्सा विशेषज्ञों से चर्चा की और व्यवस्थाओं पर निरंतर निगरानी रखने के निर्देश दिए। इस संबंध में निगमायुक्त श्री संदीप जी आर ने बताया कि शहर में कोरोना का संक्रमण तेजी से फैल रहा है और इसके संक्रमण की चपेट में आकर बड़ी संख्या में नागरिक पॉजिटिव हो रहे हैं। संक्रमित मरीजों के बढ़ते आंकड़ों के कारण अस्पतालों में बिस्तरों की कमी को देखते हुए प्रशासन एवं निगमायुक्त श्री संदीप जी आर के अथक प्रयासों द्वारा अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए 100 बिस्तरों का कोविड केयर सेंटर की स्थापना कराई गई है जिसमें संक्रमित मरीजों को सभी चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यहां महिला और पुरुष मरीजों के लिए अलग अलग व्यवस्था है।यहां सम्पूर्ण इलाज के साथ साथ खाने की सुविधा भी निःशुल्क है।निरीक्षण के अवसर के अवसर पर उन्होंने बताया कि कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए यहां पर्याप्त दवाइयां और अन्य आवश्यक व्यवस्थायें हैं।निरीक्षण के मौके पर आर्मी मेडिकल कॉप्स ,मलेट्री के आला अधिकारी, नोडल अधिकारी और कॉर्डिनेटर रोहित सिंह कौशल आदि उपस्थित थे।

महिला और पुरूष मरीजों के लिए अलग अलग व्यवस्था

मृतक के परिजनों को दिलाया मृत्यु प्रमाण पत्र और दस्तावेज

जबलपुर। राईट टाउन स्थित एक निजी अस्पताल द्वारा कोरोना संक्रमित व्यक्ति की उपचार के दौरान मृत्यु हो जाने के बाद मृत्यु प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज नहीं दिये जाने की परिजनों की शिकायत पर कार्यवाही करते हुये प्रशासनिक अधिकारियों ने न केवल निर्धारित दरों के मुताबिक बिल तैयार करने के निर्देश अस्पताल प्रबंधन को दिये बल्कि परिजनों को मृतक कोरोना पेशेण्ट का मृत्यु प्रमाण पत्र एवं अन्य सभी दस्तावेज भी तुरंत उपलब्ध करा दिये। अस्पताल प्रबंधन द्वारा मृतक कोरोना पेशेण्ट के मृत्यु प्रमाण पत्र, बिल, डिस्चार्ज कार्ड एवं अन्य दस्तावेज अस्पताल प्रबंधन द्वारा कब्जे में ले लेने की यह शिकायत कलेक्टर कर्मवीर शर्मा से मृतक की पत्नी द्वारा की गई थी। शिकायतकर्ता द्वारा कहा गया था उसके पति संजय झा का राइट टाउन स्थित अंनत अस्पताल में कोरोना का उपचार चल रहा था। ईलाज के दौरान 17 अप्रैल को उनकी मृत्यु हो गई। अस्पताल को 2 लाख 93 हजार रूपये का बिल चुका दिया गया था। अस्पताल प्रबंधन द्वारा करीब इतनी ही राशि की और मांग की जा रही थी एवं इस राशि को चुकाने के लिये दबाव बनाया जा रहा है तथा ईलाज से संबंधित सभी कागजात जप्त करके रख लिये गये हैं। शिकायतकर्ता ने बताया कि अस्पताल द्वारा मृत्यु प्रमाण पत्र, उपचार से संबंधित बिल और डिस्चार्ज कार्ड नहीं दिये जाने के कारण बीमा कपंनी से क्लेम भी नहीं मिल पा रहा है। कलेक्टर ने मृतक की पत्नी की इस शिकायत पर तत्काल संज्ञान लेकर संयुक्त कलेक्टर शाहिद खान और डॉ. संजय छत्तानी को तत्काल जांच करने के और मृतक के परिजनों को दस्तावेज उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। कलेक्टर के निर्देश पर दोनों अधिकारियों ने अनंत अस्पताल पहुंचकर शिकायत की जांच की और अस्पताल प्रबंधन को निर्धारित दरों के अनुसार संशोधित बिल तैयार करने के निर्देश दिये। जांच अधिकारियों द्वारा अस्पताल प्रबंधन से मृत्यु प्रमाण पत्र सहित सभी जरूरी दस्तावेज मृतक के परिजनों को तत्काल उपलब्ध भी कराये गये।

नगरपरिषद ने ठुकराई जन समुदाय की आवाज,नगर सेवक कर रहा है नि :शुल्क आर. ओ. वाटर सप्लाई

नगर के वार्ड क्रमांक 11व 12में पीने के पानी को मोहताज वार्ड वासी

तेंदूखेडा/दमोह-इस कॅरोना काल मे नगर के वार्ड क्रमांक11,12में पीने के पानी की किल्लत सामने आ गयी है।इस समस्या से निजात पाने के लिए वार्डवासी ने मिलकर नगर परिषद से समस्या को सुधारने के लिए विनती की गई मगर नगर परिषद के कानों में जु तक नही रेगी।तो नगर के समाज सेवी मदद के लिए आगे आये और वार्ड वासियो के लिये निशुल्क आर. ओ.वाटर सप्लाई चालू कर दी।दरअसल नगर के अर्जुन सिंह उर्फ नेहरू ठेकेदार जिनका अपना खुद का आर ओ वाटर सप्लाई का प्लांट है।इन्होंने वार्डवासियोंकी पानी के लिए भटकते देख कर इनके परोपकारी मन से रहा नही गया और तत्काल अपने निजी वाहन ओर अपने कार्यकर्ताओं को पानी वितरण करने में लगा दिया।जहा प्रशाशन ने मुँह मोड लिया था वही समाज सेवी अर्जुन सिंह ने वार्ड वासिओ का दर्द समझा और नफा नुकसान कि चिंता किये बगैर सच्चे मन से ठंडा एव साफ पानी को घर घर पहुचा रहे हैं।

नगर परिषद ने नही सुनी फरियाद

वार्ड वासिओ ने बताया कि वार्ड में पीने के पानी का संकट गहराने पर नगर परिषद से शुध्द पानी सप्लाई करने के लिए विनती की गईलेकिन जिम्मेदारो ने ध्यान नहीं दिया।वार्ड वासियों के अनुसार नलों मै दूषित, बदबू दार पानी पीने केलिए मजबूर है। पानी उपयोग के लायक नहीं है। इसको लगातार पीने से गंभीर बीमारिया होने का खतरा है। ऐसी परिस्थिति मै वार्ड वासियी के लिए फरिस्ता बन कर आये अर्जुन सिंह जी जो इस बिकट स्थिति मै घर घर अपने खर्चे पर पानी पहुंचा रहे है.।

सिविल अस्पताल को सांसद निधि से मिली एंबुलेंस की सौगात

सिहोरा। नगर के सिविल चिकित्सालय एव वैक्सीनेशन सेंटर का जबलपुर सांसद राकेश सिंह ने निरीक्षण कर तहसील कार्यालय के सभाकक्ष में व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए सिहोरा में शीघ्र 50 बिस्तर के कोविड केयर सेंटर प्रारंभ किए जाने तथा सिविल अस्पताल सिहोरा को सांसद निधि से नई एंबुलेंस प्रदान करने की घोषणा की नगर में कोरोना संक्रमण के तेजी से बढ़े मरीजों के बाद बेपटरी हुई स्वास्थ्य से संबंधित व्यवस्थाओं को पटरी पर लाने की कवायद जारी है। इसी कड़ी में ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं में इजाफा करने अस्पताल में आक्सीजन बेड बढ़ाने सहित अन्य इंतजाम की समीक्षा सांसद महोदय ने सिहोरा विधायक नंदनी मरावी ,जिलाध्यक्ष रानू तिवारी,पूर्व विधायक दिलीप दुबे की उपस्थिति में की। वहां संचालित सभी जरूरी व्यवस्थाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर उनको आवश्यक निर्देश भी दिए हैं। अपर कलेक्टर राजेश बाथम, सिहोरा अनुविभागीय अधिकारी जेपी यादव, सीएमओ जयश्री चौहान, सीईओ आशा देवी पटले, तहसीलदार सिहोरा राकेश चौरसिया ,खंड चिकित्सा अधिकारी दीपक गायकवाड, डॉ. हृदेश पांडे, डॉ. सुनील लटियार, नरेश शुक्ला, वन परिक्षेत्र अधिकारी अरविंद अहिरवार,नायब तहसीलदार राहुल मेश्राम सहित अन्य विभाग के अधिकारियों की बैठक में कोरोना वायरस संक्रमण रोकथाम एवं उपचार सहित अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा की।

पूर्व विधायक दिलीप दुबे ने कहा कि तहसील में अनुविभागीय अधिकारी की पदस्थापना ना होने के कारण प्रशासनिक अव्यवस्था का आलम सही नहीं है । उल्लेखनीय है कि कुण्डम अनुविभागीय अधिकारी के पास सिहोरा व मझौली का प्रभार होने के कारण वे पूर्ण समय सिहोरा को नहीं दे पा रहे है । जिस पर अपर कलेक्टर ने शीघ्र ही एसडीएम की पदस्थापना करने की बात कही ।

50 बिस्तरों का बनेगा कोविड केयर सेंटर

नगर को मिली सौगात सांसद महोदय ने जनप्रतिनिधियों से प्राप्त सुझावों के आधार पर जन सहयोग से सिविल अस्पताल सिहोरा में संचालित कोविड केयर सेन्टर को अधिकृत कोविड सेंटर बनाने प्रभारी सीएचएमओ से चर्चा कर नगर के आदिवासी छात्रावास में 35 ऑक्सीजन बेड सहित कुल 50 बेड का कोविड केयर सेन्टर बनाने की घोषणा करते हुए कहा कि अगले दो दिनों में उक्त सौगात नगर वासियों को मिल जाएगी वही सिविल अस्पताल सिहोरा को सांसद निधि से नई एंबुलेंस प्रदान करने की भी घोषणा की सिहोरा विधायक नंदनी मरावी ने भी क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाओं में योगदान प्रदान करते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोसलपुर एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मझगवां में रक्त परीक्षण हेतु सीबीसी मशीन ,सेमी ऑटो एनालाइजर मशीन लागत मुल्य लगभग 11 लाख प्रदान करने की घोषणा की। इस अवसर पर राजा मोर, राजमणि सिंह बघेल, विनोद सेठी,अरूण जैन, शिशिर पांडे,मण्डल अध्यक्ष अभिषेक परौहा, माधव मिश्रा, विनय जैन,प्रशांत परौहा,विनय असाटी, आशीष पटेल, अनुपम सराफ, दिनेश गौतम, अभिषेक तिवारी, अंकित तिवारी ,प्रवीण कुररिया, रोहित यादव सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

विधायक ने दिये प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को 11 लाख

भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या एवं हिंसा के खिलाफ धरना दिया

कुंडम। आज भारतीय जनता पार्टी मंडल कुंडम में भा जा पा प्रदेश मंत्री व विधायक सिहोरा श्रीमती नंदनी मरावी जी के नेतृत्व में बंगाल सरकार एवं उनके कार्यकर्ताओं द्वारा भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं की हत्या एवम् हिंसा के खिलाफ धरना दिया गया एवं तहसीलदार कुंडम को बंगाल सरकार को बर्खास्त करने की मांग कर महामहिम राष्ट्रपति जी के नाम से ज्ञापन दिया गया इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी मंडल कुंडम के सभी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही.

सांसद राकेश सिंह व श्रीमती नंदनी मरावी ने अधिकारियों की ली बैठक

कुंडमआज जबलपुर सांसद राकेश सिंह व सीहोरा कुंडम विधायक श्रीमती नंन्दनी मरावी ने कुंडम जनपद में अधिकारियों की बैठक की जिसमे कोरोना महामारी से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई इस दौरान सांसद जी द्वारा क्रस्ड कुंडम को कोविड केअर सेंटर को तत्काल चालू करने निर्देशित किया गया व सांसद जी द्वारा केयर सेंटर टीटीई किट और अन्य सामग्री पहने को कहा गया साथ ही कुंडम में पानी की समस्या को लेकर भी सांसद जी द्वारा अधिकारियों को निर्देशित किया गया जिसमें समस्त भाजपा कार्यकर्ता सभी मोर्चे के कार्यकर्ता एवं समस्त क्षेत्रीय अधिकारी की उपस्थिति में यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ.

खराब बारदाना बना मुसीबत का सबब

दर्जनों केंद्रों पर सैकडो ट्रैटरों की लगी है लाइन

गोटेगांव, यश भारत। गोटेगांव के चांदन खेड़ा सहकारी समिति सहित दर्जनों समितियों में खराब बारदाने के चलते गेहूं खरीदी का काम बंद होने की कगार पर है चांदनखेड़ा में पिछले 4 दिनों से गेहूं उपार्जन का काम बंद है। यही हाल सहकारी समिति नयागांव धमना खरीद केंद्र पर भी है प्रभारी राजेश पटेल ने बताया कि पुराना बारदाना इतना खराब है कि भरने पर फट रहा है खराब बारदाने को लेकर किसान अधिकारियों का चक्कर काट रहे हैं लेकिन उन्हें किसी प्रकार की मदद नहीं मिल पा रही है सरकार ने इन केंद्रों में जो बारदाना भेजा है वह पूरी तरह से खराब है जिससे खरीदी प्रभारी भी किसानों का गेहूं नही खरीद पा रहे हैं खरीदी प्रभारी ईश्वरदास पटेल का कहना है कि जो बारदाना उन्हें मिला है उसमें गेहूं भरने में भारी परेशानी आ रही है खराब क्वालिटी के बारदानों ने किसानों को परेशान कर रखा है वहीं खरीदी केंद्र प्रभारियों का कहना है कि अधिकारियों को इन हालातों से अवगत करा दिया गया है लेकिन अभी तक समस्या हल नहीं हुई। यही हालात रहे तो गेहूं उपार्जन का काम मुश्किल में पड़ सकता है।

सूचना

यशभारत समाचार पत्र में प्रकाशित हाने वाले विविध विज्ञापनों के लेखों की जांच पड़ताल करने के बाद ही पाठक इस संबंध में आर्थिक व्यवहार करें, विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापनदाता जो दावे पेश करते हैं, उनकी जवाबदारी, यशभारत समाचार पत्र नहीं देता, विज्ञापन में किये गये दावों की पूर्ति अगर विज्ञापनदाताओं द्वारा नहीं की जाती है तो उसके परिणाम के लिए यशभारत समाचार पत्र जिम्मेदार नहीं रहेगा।

ब्रेकअप पर बयां किया दर्द, कहा- वो मेरे लिए सही इंसान नहीं था

महक चहल

नई दिल्ली। एक्ट्रेस महक चहल इंडस्ट्री का एक जाना माना चेहरा हैं। उन्होंने साल 2003 में कॉमेडी फिल्म नई पड़ोसन से फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। इस फिल्म में उनके साथ एक्टर असलम खान, विकास कलांत्री और अनुज साहणे लीड रोल प्ले करते नजर आए थे। सलमान खान और आयशा टाकिया स्टारर फिल्म वॉन्टेड में दिखीं थी। हालांकि इस फिल्म में उनका किरदार थोड़ा निगेटिव था। वहीं महक सलमान खान होस्टेड कॉन्ट्रोवर्शियल शो बिग बॉस 5 में नजर आईं थी। इस शो में महक ने बिग बॉस की रनरअप ट्रॉफी अपने नाम की थी। महक कई ?फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। इस शो में महक और एक्टर अश्मित पटेल के बीच नजदीकियों की खूब खबरे सामने आईं थीं। लेकिन जब महक चहल और अश्मित पटेल का रिश्ता टूटा तो हर कोई हैरान रह गया था। वहीं अब लंबे समय के बाद एक महक ने अश्मित पटेल संग अपने ब्रेकअप को लेकर खुलकर बात की है। महक चहल लंबे समय के बाद एक बार फिर से इंडस्ट्री में एक्टिव होती नजर आने वाली हैं। दरअसल, महक जल्द ही खतरों से भरे शो खतरों के खिलाड़ी 11 में नजर आने वाली हैं। इसके लिए वह जल्द ही केपटाउन के लिए रवाना होंगी। इसी बीच महक ने ईटाइम्स को दिए अपने इंटरव्यू में अश्मित पटेल संग अपने ब्रेकअप को लेकर खुलकर बात की है। महक ने इंटरव्यू में बताया, मुझे उनसे अलग होने का कोई मलाल नहीं है और न ही मैं इस अपने टूटे रिश्ते के लिए खुद को कसूरवार मानती हूं। अश्मित से अलग होने का फैसला मेरा अपना था। महक ने आगे कहा, रिश्ते में आने के बाद ही पता चलता है कि यक्ति की अच्छाइयां और बुराइयां क्या हैं साथ रहने के बाद ही पता चलता है कि वो इंसान कैसा है। मुझे लगता है कि अश्मित पटेल मेरे लिए सही इंसान नहीं थे। वहीं मेरी फैमिली और मेरे दोस्तों ने मेरा पूरा साथ दिया इस रिश्ते से बाहर निकलने के लिए तभी मैं इस रिलेशनशिप से बाहर आ सकी। ब्रेकअप के बाद मैं एक साल गोवा में रही। लॉकडाउन को देखते हुए मुंबई आने का निर्णय कब लेना होगा यह मैंने समय पर छोड़ दिया। वहीं लॉकडाउन के कारण काम नहीं था। मैंने गोवा में रहते हुए नेचर के साथ काफी अच्छा वक्त बिताया। वक्त हर घाव भर देता है और मेरे साथ यही हुआ।

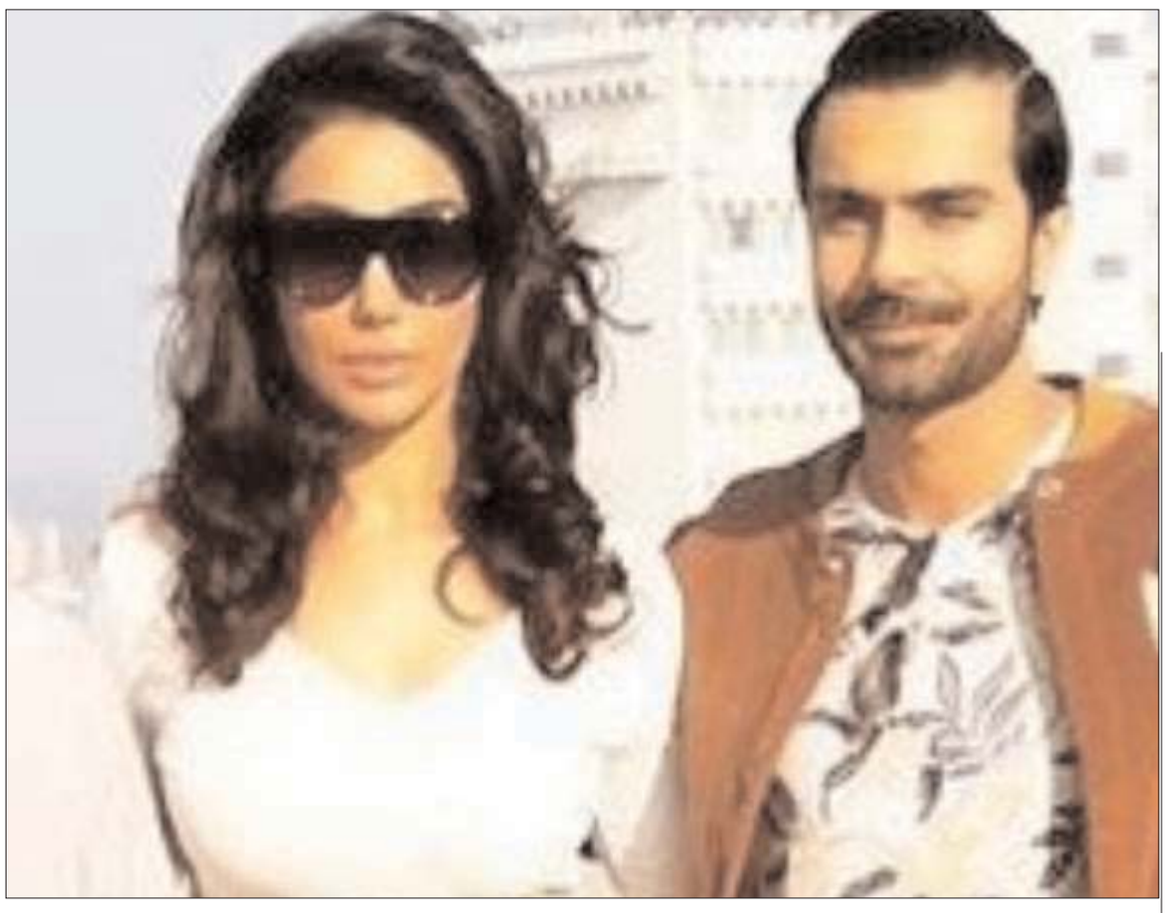

ये महिला देश की सबसे अच्छी कॉमेडियन...

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट वैसे तो हमेशा खबरों में रहती ही हैं, लेकिन 4 मई से कंगना सोशल मीडिया पर लगातार ट्रेंड कर रही हैं। वजह? वजह है उनका ट्विटर अकाउंट सस्पेंड होना। कंगना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। अक्सर वो किसी न किसी मुद्दे को लेकर ट्विटर के जरिए ही अपनी राय रखती थीं। लेकिन हाल ही में कंगना का ट्विटर अकाउंट सस्पैंड कर दिया गया, जिसके बाद एक्ट्रेस को लेकर सोशल मीडिया पर तमाम तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आने लगीं। अब इस बीच फेमस टीवी एक्टर करण पटेल ने कंगना रनोट का मज़ाक उड़ाया है और उन्हें देश की सबसे अच्छी स्टैंडप कॉमेडियन बताया है। करण ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर कंगना के ट्वीट का स्क्रीनशॉट शेयर किया है जिसमें वो पर्यावरण और ऑक्सीज़न की भरपाई को लेकर अपनी बात रख रही हैं। कंगना के इस ट्वीट का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए करण ने लिखा, 'ये महिला देश में पैदा हुई सबसे मज़ाकिया कॉमेडियन है'। करण का कमेंट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। आपको बता दें कि हाल ही में पश्चिम बंगाल चुनाव के नतीजों की घोषणा होने के बाद राज्य में छिड़ी हिंसा को लेकर कंगना लगातार कुछ न कुछ ट्वीट कर रही थीं। अपने ट्वीट में कंगना ने बंगाल में जीतने वाली पार्टी तृणमूल कांग्रेस और ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा था। जिसके बाद कंगना के कुछ ट्वीट्स को आपत्तिजनक मानते हुए उनका ट्विटर एकाउंट स्थायी रूप से सस्पेंड कर दिया है। हालांकि अपना अकाउंट सस्पेंड होने के बाद भी कंगना ने अपनी आवाज़ उठाई और कहा कि वो दूसरे सोशल प्लेटफॉर्म्स के ज़रिए आवाज़ उठाती रहेंगी। एकाउंट सस्पेंड होने के बाद कंगना ने आईएएनएस से कहा- %ट्विटर ने मेरे इस प्वाइंट को सही साबित किया है कि ये अमेरिकी लोग हैं और जन्म से इनकी ऐसी सोच होती है कि ये ब्राउन लोगों को अपना दास मानकर चलते हैं। ये आपको बताना चाहते हैं कि क्या सोचना है, क्या बोलना है और क्या करना है। सौभाग्यवश, मैं और भी प्लेटफॉर्म्स पर हूं, जिनका इस्तेमाल मैं अपनी आवाज़ उठाने के साथ अपनी कला और सिनेमा को प्रमोट करने के लिए कर सकती हूं, लेकिन मेरा दिल इस देश के लोगों के लिए रो रहा है, जिन पर अत्याचार किया जा रहा है। उन्हें सालों से गुलाम बनाया जा रहा है और उनकी आवाज़ दबायी जा रही है। अभी भी उनके कष्टों का कोई अंत नहीं दिखता%।

पहली बार शेयर किया दिल तोड़ने वाला वीडियो,कहा- ये दुख कोई नहीं समझ सकता

नई दिल्ली। पूरा देश इस वक्त कोरोना वायरस की दूसरी लहर को झेल रहा है। इसके कहर से इस वक्त हर कोई डरा हुआ है। हर रोज लाखों लोग इस खतरनाक वायरस से संक्रमित हो रहे हैं। वहीं रोजाना इसके बढ़ते हुए आंकड़े वाकई काफी चिंता का विषय है। ऐसे मुश्किल घड़ी में सभी एक दूसरे की सुरक्षा की दुआ कर रहे हैं। वहीं स्टार्स इस वक्त सोशल मीडिया के जरिए लोगों के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। अब इस लिस्ट में आयुष्मान खुराना की पत्नी ताहिरा कश्यप भी शामिल हो गई हैं। ताहिरा ने एक वीडियो पोस्ट कर अपने फैंस से अपने दिल की बात कही है। आयुष्मान खुराना की पत्नी ताहिरा कश्यप ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर करते हुए सभी तो इस समय मजबूत रहने की सलाह दी है। इस वीडियों में आप देख सकते हैं कि खुद ताहिरा काफी परेशान और दुखी नजर आ रही हैं। लेकिन फिर भी उन्होंने अपने इस वीडियो के ज़रिए लोगों को थोड़ी सी सकारात्मकता देने की पूरी कोशिश की है। आपको बता दें कि ताहिरा कश्यप ने अपने इस इमोशनल पोस्ट के जरिए सभी से कहा है, %अभी क्यूट लग रहा है तो अपडेट कर रही हूं, बाद में डिलीट कर सकती हूं। मुझे का ये वक्त सिर्फ क्यूट नहीं लग रहा है। मेरे भीतर कफी गुस्सा है, झुंझलाहट है और दुख है। कभी-कभी मैं टूट जाती हूं, कभी-कभी मैं खुद को हारा हुआ महसूस करती हूं। लेकिन मैं कभी भी ये सारी बातें सोशल मीडिया तक लेकर नहीं आती हूं। लेकिन आज मन किया कि आप सभी से शेयर करूं। ताहिरा ने आगे कहा, %मुझे बहुत ही ज़्यादा दुख है, हम सब जिस वक्त से गुज़र रहे हैं। मैं कितना भी कह लूं कि मैं आप सभी का दुख समझती हूं लेकिन मैं कभी आपके दुख को नहीं समझ पाऊंगी। ऐसे वक्त में बस भगवान को याद करें कुछ दुख शारीरिक होते हैं, कुछ मानसिक होते हैं। मैं बिल्कुल भी तुलना नहीं कर रही हूं कि कौन सा ज़्यादा दुखद होता है। ताहिरा ने अपने इस वीडियो में ऐसी बहुत सी बातें कहते हुए सिर्फ भगवान को याद करने को कहा है। साथ ही इस मुश्किल वक्त में एक दूसरे की मदद करने की बात भी उन्होंने कही है। आपको बता दें कि ताहिरा को पहले ब्रस्ट कैंसर हो चुका है और उन्होंने अपने कठिन दिनों में भी कभी अपनी सकारात्मकता नहीं खोई थी।

रामायण मेरे दिल के बहुत करीब

लक्ष्मण और सीता ने किया रामयुग का स्वागत...

नई दिल्ली। ओटीटी प्लेटफॉर्म एमएक्स प्लेयर भगवान राम की महागाथा पर आधारित वेब सीरीज़ रामयुग लेकर आ रहा है। यह वेब सीरीज़ 6 मई से स्ट्रीम की जाएगी। अब इस रामयुग को देश के सबसे लोकप्रिय लक्ष्मण और सीता का सपोर्ट मिला है। रामानंद सागर की रामायण में लक्ष्मण का किरदार निभाने वाले सुनील लहरी ने रामयुग का ट्रेलर शेयर करके लिखा- जैसे कि आप सबको पता ही है, रामायण मेरे दिल के बहुत करीब है। आज कल की मनोस्थिति जैसी है, उसमें ऐसा दिव्य पारिवारिक मनोरंजन का आना वाकई खुशी की बात है। इससे पहले ट्रेलर को शेयर करके सीता दीपिका चिखलिया ने लिखा था- रामयुग की झलक देखकर अपने रामायण के दिन याद आ गये। हमारे परिवारों का हिस्सा बनने वापस आ रही है हम सबकी लोकप्रिय महागाथा। नये अवतार में। भगवान राम की महागाथा को वैसे तो कई फ़िल्ममेकर्स अपने-अपने तरीक़े से पेश करते रहे हैं। अब निर्देशक कुणाल कोहली ने राम और रावण की कहानी को नये अंदाज़ में दिखाने की कोशिश की है। ट्रेलर की शुरुआत सीता स्वयंवर के दृश्यों से होती है, जिसमें राम शिव धनुष तोड़ते हैं। इसके बाद रामायण के विभिन्न घटनाक्रमों को दिखाया जाता है और प्रमुख पात्र सामने आते हैं। रामयुग को आज के दर्शकों के हिसाब से तकनीकी रूप से दिलचस्प बनाने की कोशिश की है। दृश्यों को वीएफएक्स और स्पेशल इफेक्ट्स से भव्य बनाया गया है। सोने का हिरण, हनुमान का रूप और रावण के सिर परम्परागत तरीक़े से अलग दिखाया गया है। पौराणिक किरदारों की वेशभूषा और साज-सज्जा भी अलग नज़र आती है। इस शो में दिगनाथ मनचले, अक्षय डोगरा, ऐश्वर्या ओझा, कबीर दुहन सिंह, विवान भाटेना, नवदीप पल्लापोलु, अनीश जॉन कोक्कन, शिशिर मोहम शर्मा, जतिन सियाल, श्वेता गुलाटी मुख्य किरदारों में दिखेंगे। टिस्का चोपड़ा और अनूप सोनी भी ट्रेलर में नज़र आते हैं। सीरीज़ के सारे एपिसोड्स एक साथ स्ट्रीम कर दिये जाएंगे।

बड़े भाई का शव देख मंझले ने भी तोड़ा दम

चेरीताल में दो भाईयों की मौत से हर आंखें नम

जबलपुर यश भारत। कोरोना महामारी में जहां परिवार के लोग एक दूसरे का साथ नहीं दे रहे वहीं चेरीताल क्षेत्र में भाइयों के प्रेम की एक अजब मिसाल कायम कर दी है। जहां एक भाई की मौत की खबर पाकर दूसरे ने भी वियोग में दम तोड़ दिया। वह भाई की जुदाई बर्दाश्त नहीं कर पाया।

मिली जानकारी के अनुसार चेरीताल निवासी महेंद्र चौहान उम्र 55 वर्ष खमरिया फैक्ट्री में कार्यरत थे। गत 1 मई को अचानक उनकी तबीयत खराब हुई। परिवार जनों ने तत्काल उन्हें विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती कराया जहां उनकी रिपोर्ट भी पॉजिटिव पाई गई। इलाज के दौरान मंगलवार सुबह उनकी मृत्यु हो गई। बड़े भाई की मौत की खबर छोटे भाई को प्राप्त हुई उसने अपने मझंलें भाई को भी इस दुखद खबर इसकी जानकारी नहीं दी। शायद उसे मालूम था कि बड़े भाई की मौत की खबर वह बर्दाश्त नहीं कर पाएगा, लेकिन ना जाने मदन मोहन चौहान उम्र 50 वर्ष को बड़े भाई की मौत की खबर लग गई और वह बगैर किसी से बताएं विक्टोरिया पहुंच गया। जहां बड़े भाई का शव देख वह अचानक जमीन पर गिर गया। तत्काल ही उसे विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां कुछ घंटों के बाद उसकी मौत हो गई।

घर में छाया मातम

नरेंद्र चौहान ने बताया कि वह तीन भाई थे। बड़े भाई महेंद्र चौहान, मंझलें भाई मदन चौहान के बीच बहुत ही प्यार था वह एक दूसरे से हर बातें करते थे। दोनों के बीच में गहरे लगाव के कारण बड़े भाई की मृत्यु की जानकारी उसने भाई को नहीं दी थी लेकिन ना जाने कहां से उन्हें बड़े भाई की मौत की खबर मिल गई और वह उसे देखने विक्टोरिया पहुंच गए जहां बड़े भाई का शव देखते वह चक्कर खाकर गिर गया। वहां तुरंत ही उसे भर्ती कराया गया पर वह कुछ ही घंटों में उनकी भी मौत हो गई।

ब्लड प्रेशर और शुगर

छोटे भाई ने बताया कि मदन मोहन का ब्लड प्रेशर और शुगर दोनों ही बीमारी थी उनका इलाज भी चल रहा था। यह खबर जिसने भी सुनी उसका हृदय द्रवित हो उठा।

तिलवारा में अंतिम संस्कार

गुजराती कालोनी चेरीताल निवासी महेन्द्र सिंह चौहान का अंतिम संस्कार तिलवारा घाट मुक्तिधाम में किया गया वे मयंक और मयूर के पिता थे।

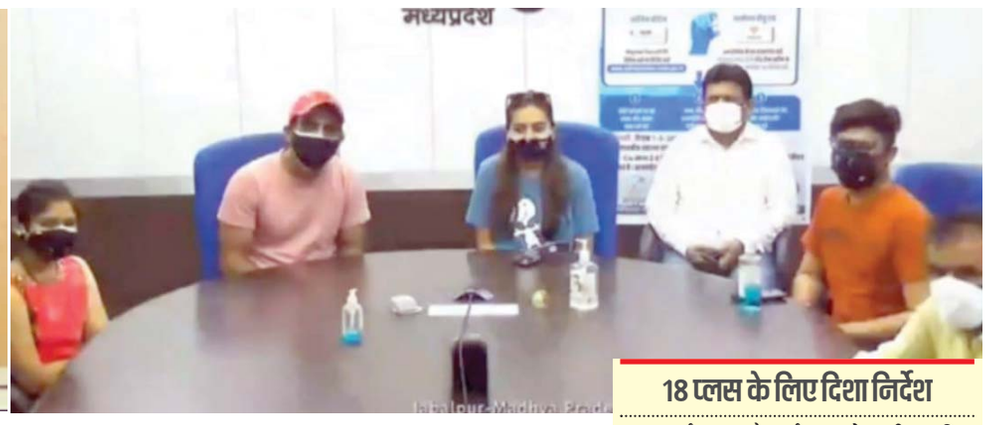

जबलपुर की शिवांगी-शुभम से सीएम ने पूछा

वैक्सीन के लिए पैसा तो नहीं लिया किसी ने

शिवांगी बताओ? वैक्सीन लगने के बाद कैसा लग रहा है? कहीं कोई दिक्कत तो नहीं आई? किसी ने पैसे की मांग तो नहीं की? अगर की हो तो बताओ.?

. नहीं सर.. किसी ने कोई पैसे की मांग नहीं की। बहुत अच्छा लग रहा है वैक्सीन लगवाने के बाद। सभी को वैक्सीन लगवाना चाहिए। यह वाक्या था मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और जबलपुर की शिवांगी के बीच का।

जबलपुर,यशभारत। शिवांगी ने मुख्यमंत्री से वीडियो कॉन्फ्रेंस में चर्चा करते हुए बताया कि वैक्सीन ही कोरोना का बचाव है इसलिए सभी वर्ग को इसे लगवाना चाहिए। शिवांगी के बाद जबलपुर के शुभम ने भी मुख्यमंत्री से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने शुभम से कहा आप समाज को क्या संदेश देना चाहते हैं। इस शुभम ने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से से कहना चाहूंगा कि कोरोना का खात्मा करना है तो वैक्सीन जरूरी है। कोरोना से बचाव के लिए वैक्सीनेशन का कवच जरूरी है। खुशी की बात ये है कि जबलपुर में भी आज से 18+ वाले लोगों को टीका लगेगा। इसके लिए आखिरी चरण में वैक्सीनेशन सेंटर भी बदलना पड़ा। हितकारिणी कॉलेज की बजाय अब मानस भवन में सीएम के वीडियो कांफ्रेंसिंग द्वारा किए गए शुभारंभ कार्यक्रम में वैक्सीन लगाई जाएगी। मालूम हो कि कोरोना से बचाव के लिए पहली बार प्रदेश में 18 प्लस को टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल किया गया है। 18 से 44 वर्ष के बीच के लोगों को टीका लगाने का कार्यक्रम अब मानस भवन में सुबह 11 बजे से हुआ। मानस भवन में होने वाले वैक्सीनेशन के लिए सिर्फ 100 लोगों को मैसेज भेजे गए थे। टीका लगवाने वाले 2 युवाओं से सीएम शिवराज सिंह चौहान संवाद भी किया।

18+ युवाओं को कोरोना से बचाव का लगा कवच, 100 युवाओं का लगा टीका

18 प्लस के लिए दिशा निर्देश

- 1 मई 2003 के पूर्व जन्म से सभी नागरिक कोविड-19 टीकाकरण के लिए पात्र होंगे। पात्र हितग्राहियों को कोविड-19 टीकाकरण कराने के लिए ऑन लाइन रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है।
- कोविन पोर्टल या आरोग्य सेतु मोबाइल एप के माध्यम से अपना पंजीकरण करा सकते हैं।
- 18 से लेकर 44 वर्ष आयु वर्ग के नागरिकों का टीकाकरण सत्र पर ऑनसाइट रजिस्ट्रेशन नहीं किया जाएगा।
- वैक्सीनेशन सत्र 5 मई से लेकर 15 मई तक 18 से लेकर 44 वर्ष की आयु वर्ग का टीकाकरण होगा।
- आयोजित होने वाले कोविड-19 टीकाकरण सत्र में को-वैक्सीन का ही उपयोग किया जाएगा।
- कोविड-19 टीकाकरण सत्र नॉन कोविड ट्रीटमेंट सेंटर शासकीय स्कूल, कॉलेज, ऑफिस, कम्युनिटी हॉल इत्यादि पर ही आयोजित किए जाएंगे।
- 18 से लेकर 44 वर्ष के आयु वर्ग के नागरिकों के लिए प्राप्त वैक्सीन का भंडार, खर्च का हिसाब अलग से रखा जाएगा।
- केंद्रों पर एईएसआई प्रबंधन के निदेशों का पालन किया जाना आवश्यक है।
- जिले के सभी कोविड-19 टीकाकरण केंद्रों पर कोविड-19 टीकाकरण निशुल्क किया जाएगा।
- सत्र संचालन के लिए कोविड-19 बचाओ गाइडलाइन का पालन करना अनिवार्य है।
- टीकाकरण के लिए आने वाले सभी नागरिकों की पल्स, ऑक्सीमीटर और इंफ्रारेड थमोर्मीटर से स्क्रीनिंग की जाएगी।

तस्वीरें बोलती हैं

ये फोटो तुलाराम चौक की है जहां गाड़ियां सड़क पर है पर लोग न जाने कहां जा रहे है। फोटो : अशोक बर्मन

वेलडन, डटे रहो, जवानों का हौसला बढ़ा रहे एसपी

जबलपुर। कोरोना काल में दिनरात डयूटी कर रहे पुलिस कर्मियों का पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा लगातार हौसला बढ़ा रहे हैं। जिसका असर यह दिख रहा है कि हर प्वाइंट पर पुलिस के अधिकारी और जवान मुस्तैदी से अपनी डयूटी निभा रहे है। जहां गोहलपुर थाने का स्टाफ नगर पुलिस अधीक्षक अखिलेश गौर, थाना प्रभारी आरके गौतम के निर्देशन में लगातार मुस्तैद है। दमोहनाका प्वाइंट पर चैकिंग की जा रही है और प्रोटोकाल का उल्लंघन करने वालों को दंडित भी किया जा रहा है इसी तरह आधारताल थाने में थाना प्रभारी शैलेष मिश्रा और उनके स्टाफ बेहद सख्त रुख अपनाए हुए है। लगातार रोजाना 4 सौ के करीब चालान काटे जा रहे हैं जिसका असर यह है कि वहां से निकलने वालों को बहुत ही सोच समझकर निकलना पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि पुलिस अधीक्षक लगातार अपने मातहतों से मिलकर उनकी समस्याओं से रु-ब -रु होकर मनोबल बढ़ा रहे हैं और पुलिस कर्मियों को स्वयं की सुरक्षा के लिए जरूरी दिशा निर्देश भी दे रहे हैं। एसपी ने कहा वेलडन डटे रहो,आप अच्छा काम कर रहे हैं जवानों से मिलकर एसपी ने कहा, आप सभी बहुत ही अच्छी ड्यूटी कर रहे हैं, ये लडाई लंबी है। आप सभी को कोई भी समस्या हो तो आप मुझे बता सकते हैं। आप सभी मास्क अच्छी तरह से पहनें। अगर मास्क पतला हो तो उसके ऊपर सर्जिकल मास्क भी पहनें। वैसे पुलिस लाइन द्वारा सभी को एन-95 मास्क व फेस शील्ड, प्रदान किए गए हैं। ड्यूटी के दौरान एन-95 मास्क व फेस शील्ड, अनिवार्य रूप से लगाएं और सामाजिक दूरी का पालन करें।

शराब विवाद पर युवक की गोली मारकर हत्या

जबलपुर,यशभारत। बीती रात जिले के गोसलपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत टोल प्लाजा बाईपास में शराब को लेकर हुए विवाद के चलते एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया। पुलिस द्वारा उसके ठिकानों पर दबिश देकर सरगर्मी से तलाश की जा रही है देर रात हुई घटना की खबर से क्षेत्र में सनसनी का माहौल निर्मित हो गया और कुछ ही देर में मौके पर काफी भीड़ जमा हो गई पुलिस ने पूरे घटनाक्रम की पड़ताल शुरू कर दी है। देर रात इस घटना के संबंध में गोसलपुर थाना प्रभारी संजय भलावी ने जानकारी देते हुए बताया कि सिहोरा कंकाली मोहल्ला निवासी 18 वर्षीय मोनू चौहान पिता मटरू चौहान देर रात मोहतरा के टोल प्लाजा बाईपास के पास अपने कुछ दोस्तों के साथ खड़ा हुआ था इसी दौरान गोसलपुर की ओर से अर्जुन चक्रवर्ती अपनी बाइक की टंकी में शराब की बोतल लेकर सिहोरा की ओर जा रहा था वह जैसे ही टोल प्लाजा बाईपास के पास पहुंचा ही था कि वहां पर अपने मित्रों के साथ खड़े मोनू चौहान का शराब को लेकर विवाद हो गया और अर्जुन चक्रवर्ती से बोला कि लॉकडाउन के दौरान जहां शराब दुकानें बंद पड़ी हुई है तू है शराब लेकर कहां से आया है इसी बात को लेकर इन दोनों के बीच में गाली गलौज हुई जैसे मौजूद युवकों द्वारा दोनों को समझाई देने के बाद मामला शांत कराया गया इसके बाद अर्जुन चक्रवर्ती अपनी बाइक लेकर घर चला गया था और 1 घंटे बाद वह कट्टा लेकर जहां पर विवाद हुआ था वही पहुंचा जहां पर पूर्व से खड़े मोनू चौहान के पेट पर उसने गोली दाग दी वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी बाइक लेकर मौके से फरार हो गया देर रात हुई इस घटना की सूचना राहुल बर्मन द्वारा गोसलपुर पुलिस को दी गई सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मोनू चौहान को गंभीर हालत में सिहोरा अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया पुलिस ने प्रारंभिक कार्यवाही के उपरांत शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रवाना करते हुए वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्त में लेने के लिए टोल प्लाजा एवं सिहोरा मैं लगे सीसीटीवी कैमरे की फोटोज खगाली जा रही है।

देर रात मोहतरा टोल प्लाजा के पास वारदात

अभिषेक पांडे का निधन

पनागर। ग्राम मटामर निवासी अभिषेक पांडे मिंटू का 38 वर्ष की आयु में निधन हो गया आप आशीष पांडे मंगल कृषि केंद्र के भाई थे अंतिम संस्कार शाम 5 बजे ग्राम मटामर में किया गया।

SONY Panasonic INTEX Kurl-on Haier Godrej SAMSUNG USHA PHILIPS & All Product
शादियों के लिए विशेष पैकेज उपलब्ध
आसान किश्तों पर आसान शर्तों पर
बेटी की शादी का पूरा फर्नीचर सागौन द्वारा निर्मित
मिश्रा फर्नीचर्स एण्ड इन्टरप्राइजेज
सरकारी कुंआ, शीतलामाई रोड, जबलपुर फोन नं. 2626496 मो. 9827235010
फर्नीचर्स वारंटी पर उपलब्ध

Pure & Tasty AK'S Special Jabalpur
मो. 9827681910
गर्मी के मौसम में स्पेशल सत्तू चने का उपलब्ध है। अब हमारे नये शोरूम गोरखपुर में
अशोक कुमार अजित कुमार
गुलाबी चना, मुरमुरा, बोल्ड चना, केला चिप्स, बोल्ड पीनट, मसाला चना, ड्राय मेल, चना जौर गर्म
होम डिलेवरी के लिए संपर्क करें- संजय 9827270030, 7225888831
प्रियदर्शनी एवं सेवा केन्द्र मढ़ाताल में उपलब्ध
ब्रांच-अशोक कुमार, अजित कुमार पुराना लेबर कोर्ट, नर्मदा रोड, गोरखपुर, जबलपुर

सुपरस्पेश्यालिटी पेट एवं लिवर रोग क्लीनिक
डॉ. मनीष तिवारी
M.B.B.S., MD, DM Gastroenterology Member of American college of Gastroenterology Consultant Gastroenterologist, Shailby Hospital Super Speciality Gastro & Liver Clinic Jabalpur
उपचार की सुविधायें
■ पेट में लंबे समय से तकलीफ
■ लिवर से संबंधित बीमारियां
■ पेंक्रियाज से संबंधित बीमारियां
■ पाचन से जुड़ी हुई परेशानियां
पता सुपरस्पेश्यालिटी पेट एवं लिवर रोग क्लीनिक उखरी तिराहा, विजयनगर, जबलपुर
परामर्श के लिये संपर्क करें- 8085257585, 0761-4004867

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा एन.एम. पब्लिकेशन प्रा.लि. उखरी चौक जबलपुर से मुद्रित एवं 160/जी, जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333, 2646666, फैक्स : 4084085।
डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/19-21 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)